अमृत कलश टाइम्स

http://amritkalashtimes.com

वर्ष : 18
अंक : 160

प्रयागराज मंगलवार 25 फरवरी 2025

पृष्ठः- 4, मूल्यः- एक रूपया

ट्रक और ऑटो को टक्कर में सात मजदूर की मौत

पटना,(एजेंसी)। बिहार के पटना जिले में मसौढी थाना क्षेत्र के मसौढी–नौबतपुर मार्ग पर नूरा पुल के पास रविवार देर रात एक ट्रक और ऑटोरिक्शा के बीच हुई टक्कर में सात मजदूरों की दबकर मौत हो गई। मसौढी के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (01) ने सोमवार को बताया कि पटना से मजदूरी कर करीब 12 मजदूर एक ऑटोरिक्शा पर सवार होकर अपने घर लौट रहे थे तभी नूरा पुल के पास विपरीत दिशा से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक का एक्सल टूट जाने से वह अनियंत्रित होकर ऑटो से टकरा गया और पलट गया। इस दुर्घटना में ऑटो पर सवार सात मजदूरों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने शवों को ऑटो से बाहर निकाला। मृतकों की पहचान ऑटो चालक सुशील कुमार (34), विनय बिंद (31), रमेश बिंद (50), मतेंद्र बिंद (25) और उमेश बिंद (36) के रूप में की गई है। इस घटना में ट्रक के नीचे ऑटोरिक्शा दब गया।

बिहार में होगी झूठ और जुमलों की बरसात : लालू

पटना,(एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिहार पहुंचने से पहले कटाक्ष करते हुए कहा कि आज राज्य में झूठ और जुमलों की बरसात होगी। श्री यादव ने सोमवार को सोशल मीडिया 'एक्स' पर पोस्ट किया, "प्रधानमंत्री आज बिहार में है इसलिए आज बिहार में झूठ और जुमलो की बरसात होगी।" राजद अध्यक्ष ने कहा, "चुनावी वर्ष है इसलिए लोगों को भ्रमित करने के लिए केंद्र की देशभर की योजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन अब दिखावटी रूप से बिहार से होगा लेकिन बिहार को कुछ नहीं मिलेगा, ना ये देंगे।" उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री श्री मोदी का आज भागलपुर में कार्यक्रम होना है।

जीआईएस में बोले पीएम, निवेशकों को दिया 'ट्रिपल–टी' मंत्र

यही सही समय है एमपी में निवेश का

● भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों, 'टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजी' की बड़ी भूमिका: मोदी

भोपाल,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज इस बात पर जोर दिया कि भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों, श्टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजीश की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है। श्री मोदी राजधानी भोपाल में दो दिवसीय ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव समेत देश–विदेश के कई ख्यातिप्राप्त उद्योगपति और कई देशों के राजदूत समारोह में उपस्थित रहे। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के विकसित भविष्य में तीन क्षेत्रों श्टेक्सटाइल, टूरिज्म और टेक्नोलॉजीश की बहुत बड़ी भूमिका रहने वाली है। भारत का टेक्सटाइल क्षेत्र करोड़ों लोगों को रोजगार देता है। मध्यप्रदेश तो एक प्रकार से भारत की श्कॉटन कैपिटलश है। भारत की करीब 25 फीसदी ऑर्गेनिक कॉटन आपूर्ति मध्यप्रदेश से ही होती है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश मलबरी सिल्क का भी देश का सबसे बड़ा निर्माता है। यहां का चंदेरी और महेश्वर विश्वप्रसिद्ध हैं। इनमें निवेश निवेशकों को वैश्विक पहचान देगा। सरकार मेडिकल टेक्सटाइल और जियो टेक्सटाइल को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए राष्ट्रीय मिशन शुरु किया है। सात बड़े टेक्सटाइल पार्क में से एक मध्यप्रदेश में बन रहा है। उन्होंने कहा कि भारत पर्यटन में भी नए आयाम जोड़ रहा है। मध्यप्रदेश पर्यटन का एक कैंपेन था, एमपी अजब है, सबसे गजब है। राज्य में नर्मदा के आसपास आदिवासी पर्यटन का विकास हुआ है। यहां कई नेशनल पार्क हैं, हेल्थ और वेलनेस में भी निवेश की संभावना है। यहां प्राइवेट–पब्लिक पार्टनरशिप को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। श्री मोदी ने कहा कि भारत के इतिहास में ऐसा अवसर पहली बार आया है, जब पूरी दुनिया भारत के लिए इतनी आशावादी है। पूरी दुनिया में चाहे सामान्यजन हों, विशेषज्ञ हों, विभिन्न देश हों या संस्थान, सभी को भारत से बहुत आशाएं हैं।

देश को लेकर पीएम मोदी की 3 प्रमुख बातें

1. एमपी वर्ल्ड बैंक ने कहा है भारत आने वाले सालों में ऐसे ही दुनिया की फास्टेस्ट ग्रोइंग इकोनॉमी बना रहेगा।
2. यूएन की एक संस्था ने कहा है कि जहां कई देश सिर्फ बातें करते हैं, वहीं भारत नतीजे लाकर दिखाता है।
3. एक रिपोर्ट में बताया है कि ग्लोबल एयरो स्पेस के लिए कैसे भारत एक बेहतरीन सप्लाई चेन के रूप में उभर रहा है।

28 फरवरी तक संपत्ति का ब्योरा न देने वाले कर्मचारियों को नहीं मिलेगा मार्च में वेतन, दिया गया आदेश

लखनऊ,(एजेंसी)। यूपी के उन सरकारी कर्मचारियों को मार्च के महीने में वेतन नहीं मिलेगा जिन्होंने अपनी संपत्ति की घोषणा अब तक नहीं की है। यूपी के उन राज्य कर्मचारियों को फरवरी के वेतन का भुगतान मार्च में नहीं किया जाएगा जिन्होंने अपनी संपत्ति का विवरण मानव संपदा पार्टल में नहीं दिया है। यूपी के मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए कहा कि सभी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से 28 फरवरी तक अपनी चल और अचल संपत्ति का विवरण मानव संपदा पोर्टल पर दे देना है। प्रदेश में जिन भी कर्मचारियों ने यह ब्योरा नहीं दिया है उनका फरवरी माह का वेतन रोक दिया जाएगा। मालूम हो कि सभी कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2024 को ही अपनी चल और अचल संपत्ति का ब्योरा देना था। इसके बाद संपत्ति का ब्योरा देने की यह तिथि बार–बार बढ़ाई जाती रही है। जनवरी और फरवरी के पहले सप्ताह में यह तिथि दो बार बढ़ाई गई है। सीएम ने दिए थे ये निर्देश सीएम ने निर्देश दिए थे कि सर्विस बुक को मानव संपदा पोर्टल पर ई–सर्विस बुक के रूप में परिवर्तित करते हुए सभी तरह के अवकाश और एसीपी आदि संबंधी कार्य भी 1 जनवरी 2024 से मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही किए जाएं। वर्ष 2023–24 की वार्षिक मूल्यांकन रिपोर्ट (एपीआर)मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही ऑनलाइन दाखिल की जाए।

महाकुंभ हादसा: हाईकोर्ट का आदेश

● महाकुंभ हादसों में हुई मौतों व लापता लोगों की जांच भी न्यायिक आयोग ही करेगा

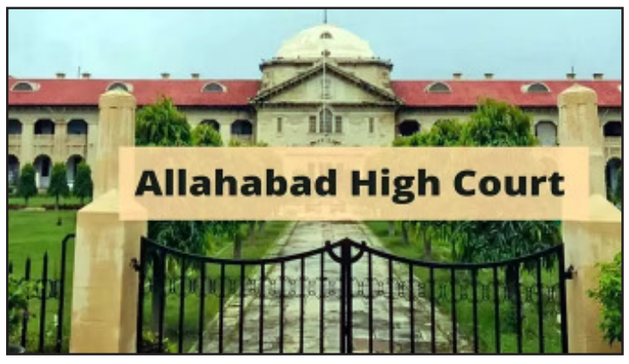

प्रयागराज,(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार के आश्वाशन पर महाकुंभ क्षेत्र में अमावस्या के दिन हुई सभी तीनों हादसों में हुई मौतों और लापता लोगों का पता लगाने की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका निस्तारित कर दी। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सरकार के आश्वाशन पर महाकुंभ क्षेत्र में अमावस्या के दिन हुई सभी तीनों हादसों में हुई मौतों और लापता लोगों का पता लगाने की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग वाली जनहित याचिका निस्तारित कर दी। सरकार ने कोर्ट को बताया कि न्यायिक आयोग के जांच का दायरा बढ़ा दिया गया है। अब वह तीनों भगदड़ों में हुए जानमाल की हानि का भी पता लगाएगी। यह आदेश मुख्य न्यायधीश अरुण भंसाली और न्यायमूर्ति शैलेन्द्र क्षितिज की अदालत ने हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव सुरेश चंद्र पांडे की ओर से दाखिल जनहित याचिका पर दिया है। पिछली सुनवाई पर याची के अधिवक्ता सौरभ पांडेय ने कोर्ट ने मीडिया रिपोर्ट और अमावस्या पर तीन जगह हुई भगदड़ के प्रमाण स्वरूप वीडियो फुटेज की पैन ड्राइव दाखिल की थी। दावा किया था कि अमावस्या के दिन एक नहीं तीन जगह हादसा हुआ था। खोया पाया केंद्र से लापता लोगों के परिजनों से लापता लोगों का आधार कार्ड मांगा जा रहा था। न होने पर उनके नामों की घोषणा नहीं की जा रही थी। इसके अलावा मीडिया रिपोर्ट के हवाले से यह भी दावा का था कि सरकार हादसे में हुई मौतों की संख्या गलत बता रही है। मौतें सौ से ज्यादा हुई थी जबकि सरकार ने केवल 30 मौतों को स्वीकार किया था। सरकार और प्रशासन की भूमिका संदिग्ध है। लिहाजा, हाईकोर्ट की निगरानी ने मौतों और लापता लोगों की उच्च स्तरीय जांच जनहित में जरूरी है। सरकार की दलील से हाईकोर्ट असंतुष्ट सरकार की ओर से पेश अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल ने जनहित याचिका में उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग को गैर जरूरी बताया था।

संगम तट पर आस्था का सैलाब, 62 करोड़ से अधिक ने किया पुण्य स्नान

महाकुंभ नगर ,(एजेंसी)। महाकुंभ 2025 के समापन की घड़ी नजदीक आने के साथ ही संगम में स्नान करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। 26 फरवरी को महाशिवरात्रि स्नान पर्व के साथ 45 दिनों तक चलने वाले महाकुंभ का समापन हो जायेगा। इस पावन अवसर पर दिव्य स्नान का पुण्य लाभ लेने के लिये देश दुनिया के कोने कोने से श्रद्धालु तीर्थराज प्रयागराज की धरती पर कदम रख रहे हैं। सोमवार को स्नान करने वालों का तांता लगा हुआ है और सुबह दस बजे तक करीब 55 लाख श्रद्धालु आस्था की डुबकी लगा चुके थे जिन्हे मिला कर अब तक महाकुंभ में संगम स्नान करने वालों की संख्या 62 करोड़ से अधिक हो चुकी है। अंतिम स्नान पर्व के अवसर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ की आशंका के मद्देनजर स्थानीय प्रशासन ने सुरक्षा के चाक चौबंद इंतजाम किये हैं।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई टली

सुलतानपुर,(एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि के एक मामले में सुलतानपुर की विशेष एमपीध्एमएलए अदालत ने सोमवार को मामले की सुनवाई वादी के वकील द्वारा हाजिरी माफी की अर्जी दिये जाने के कारण आगामी छह मार्च तक के लिए स्थगित कर दी। राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि 11 फरवरी को सुनवाई की पिछली तारीख में शिकायतकर्ता से जिरह की गई थी। जिरह पूरी होने के बाद 24 फरवरी की तारीख तय की गई थी लेकिन चूंकि शिकायतकर्ता के वकील संतोष कुमार पांडे हाजिरी माफी मांगते हुए आज अदालत में पेश नहीं हुए इसलिए न्यायालय ने अगली सुनवाई की तारीख छह मार्च तय की है। यह मामला साल 2018 के कर्नाटक विधानसभा चुनावों के दौरान गृह मंत्री अमित शाह के बारे में गांधी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। इस मामले में स्थानीय भाजपा नेता मिश्रा ने परिवाद दायर किया था। कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के हनुमानगंज के रहने वाले मिश्रा ने 2018 में दर्ज कराये गये मामले में आरोप लगाया था कि गांधी ने वर्ष 2018 में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ अभद्र टिप्पणी की थी जिससे उन्हें ठेस पहुंची है।

रेलवे में एसी थ्री टियर की बंपर डिमांड!

● पांच साल में राजस्व में जबरदस्त उछाल, आंकड़े कर देंगे हैरान

नई दिल्ली,(एजेंसी)। भारतीय रेलवे में यात्रा का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। एक समय स्लीपर क्लास राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देता था, लेकिन अब एसी 3 टियर ने इसकी जगह ले ली है। पिछले पांच वर्षों में इस श्रेणी से रेलवे को होने वाली कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया है। इससे जुड़े आंकड़े क्या कहते हैं आइए विस्तार से समझते हैं। भारतीय रेलवे में यात्रा का पैटर्न तेजी से बदल रहा है। एक समय स्लीपर क्लास राजस्व में सबसे बड़ा योगदान देता था, लेकिन अब एसी थ्री टियर ने इसकी जगह ले ली है। पिछले पांच वर्षों में इस श्रेणी से रेलवे को होने वाली कमाई में जबरदस्त उछाल देखा गया है। 2024–25 में, रेलवे के कुल अनुमानित 80,000 करोड़ रुपये के यात्री राजस्व में अकेले एसी थ्री टियर का योगदान 30,089 करोड़ रुपये (38:) रहने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि सिर्फ 26 करोड़ यात्री (कुल 727 करोड़ में से 3.5:) एसी थ्री टियर से यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक कमाई करने वाली श्रेणी बन गई है। एसी थ्री टियर पर लोगों का बढ़ रहा भरोसा, बढ़ा राजस्व बजट 2025–26 के अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2024–25 में, भारतीय रेलवे का कुल यात्री राजस्व 80,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। जिसमें से अकेले एसी थ्री टियर से 30,089 करोड़ रुपये (38:) आ सकते हैं। दूसरी ओर, स्लीपर क्लास से महज 19.5: का राजस्व मिलने का अनुमान है। दिलचस्प बात यह है कि केवल 26 करोड़ यात्री (727 करोड़ यात्रियों में से 3.5:) इस श्रेणी में यात्रा कर रहे हैं, फिर भी यह सबसे अधिक राजस्व दे रहा है यह प्रवृत्ति भारत में यात्रा के प्रति बढ़ती प्राथमिकता और आर्थिक सुधार को दर्शाती है। अधिक यात्री अब आरामदायक और बेहतर सुविधाओं वाली यात्रा को प्राथमिकता दे रहे हैं, जिसके कारण एसी थ्री टियर से आने वाले राजस्व में लगातार वृद्धि हो रही है। एसी 3 टियर के यात्रियों की संख्या पांच वर्षों में दोगुने से अधिक हुई पिछले पांच वर्षों में, एसी थ्री टियर यात्रियों की संख्या 2019–20 में 11 करोड़ से बढ़कर 2024–25 में 26 करोड़ तक पहुंच गई है, यानी में 19: की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) देखी गई। इसी दौरान, इस श्रेणी का किराया भी (डायनमिक प्राइसिंग के कारण) बढ़ा है।

, लेकिन यह एसी के अन्य श्रेणियों की तुलना में काफी कम है। इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, एसी थ्री टियर का औसत किराया 2019–20 में 1,090 रुपये था।

विजेंद्र गुप्ता बने दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष ?

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। विजेंद्र गुप्ता कौन हैं? उनका भाजपा में कितना बड़ा कद रहा है? विजेंद्र का सियासी सफरनामा क्या रहा है? आइये जानते हैं... दिल्ली विधानसभा में विधायकों के शपथ लेने के बाद अब विजेंद्र गुप्ता को विधानसभा का नया स्पीकर चुन लिया गया है। 14 अगस्त 1963 को

जन्मे विजेंद्र गुप्ता मौजूदा समय में दिल्ली की रोहिणी विधानसभा सीट से विधायक हैं। वे भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का भी हिस्सा हैं। विजेंद्र गुप्ता कितने कद्दावर नेता हैं, इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2015 में जब भाजपा के सिर्फ तीन विधायक दिल्ली में चुनाव जीतने में सफल हुए थे, तब वे भी रोहिणी से विजेता रहे थे। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि विजेंद्र गुप्ता कौन हैं? उनका भाजपा में कितना बड़ा कद रहा है? विजेंद्र का सियासी सफरनामा क्या रहा है? कौन हैं विजेंद्र गुप्ता? विजेंद्र गुप्ता की शिक्षा दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) में हुई है। वह छात्र जीवन में ही एबीवीपी से जुड़ गए। विजेंद्र ने दिल्ली यूनिवर्सिटी छात्रसंघ का चुनाव भी लड़ा और उपाध्यक्ष पद के लिए चुने गए। कैसा रहा है सियासी सफरनामा? 1980रू विजेंद्र गुप्ता के राजनीतिक करियर की शुरुआत हुई।

तेलंगाना सुरंग हादसे पर आया अहम अपडेट

● मंत्री बोले– अंदर फंसे लोगों के बचने की उम्मीद बेहद कम

हैदराबाद,(एजेंसी)। मंत्री राव ने बताया कि 2023 में उत्तराखंड में सिल्कयारा सुरंग में फंसे निर्माण श्रमिकों को बचाने वाले रैट माइनर्स की एक टीम बचाव दल में शामिल की गई है। मंत्री ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने में कम से कम तीन से चार दिन और लगेंगे।

तेलंगाना के श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग हादसे को लेकर बचाव अभियान अभी भी जारी है। बचाव दल अंदर फंसे लोगों को निकालने की कोशिश में जुटे हुए हैं। तेलंगाना के मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने सोमवार को कहा कि दो दिन पहले श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (एसएलबीसी) सुरंग के निर्माणाधीन खंड के आंशिक रूप से ढहने के बाद उसमें फंस गए आठ लोगों के बचने की संभावना अब 'बहुत कम है। हालांकि उन तक पहुंचने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। टीम में रैट माइनर्स शामिल किए गए उन्होंने यह भी बताया कि 2023 में उत्तराखंड में 'सिल्कयारा बेंड–बरकोट' सुरंग में फंसे निर्माण श्रमिकों को बचाने वाले रैट माइनर्स की एक टीम लोगों को निकालने के लिए बचाव दल में शामिल हो गई है। मंत्री ने कहा कि फंसे हुए लोगों को बचाने में कम से कम तीन से चार दिन लगेंगे, क्योंकि दुर्घटना स्थल कीचड़ और मलबे से भरा हुआ है जिससे बचाव दल के लिए यह एक मुश्किल काम बन गया है। सुरंग में 25 फीट तक मलवा भरा मंत्री राव ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो उनके बचने की संभावना बहुत, बहुत, बहुत, बहुत कम है क्योंकि मैं खुद उस अंति छोर तक गया था जो दुर्घटना स्थल से लगभग 50 मीटर दूर था। जब हमने तस्वीरें लीं तो सुरंग का अंत दिखाई दे रहा था और नौ मीटर के व्यास वाली सुरंग में लगभग 30 फीट में से 25 फीट तक कीचड़ जमा हो गया है। उन्होंने कहा, जब हमने उनके नामों को पुकारा, तो कोई जवाब नहीं मिला... इसलिए हम ऐसा मानकर चल रहे है कि उनके बचने की संभावनाएं बहुत ही कम हैं। कृष्ण राव ने कहा कि कई मशीनों की मदद से मलबा हटाने का काम जारी है। सुरंग खोदने वाली मशीन (टीबीएम) का वजन कुछ सौ टन है।

, लेकिन सुरंग ढहने के बाद और पानी के तेज बहाव के कारण मशीन लगभग 200 मीटर तक बह गई। 'कन्वेयर बेल्ट' से मलवा निकालने की कोशिश उन्होंने कहा कि ऑक्सीजन की आपूर्ति और पानी निकालने का काम लगातार किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने मौजूदा परिस्थितियों के मद्देनजर फंसे हुए लोगों के बचने की संभावना को कहा कि, अगर यह मान लें कि फंसे हुए।

चुनौतियों से मुकाबला

यह संतोष की बात है कि कोविड–19 महामारी के बाद देश में शिक्षा क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव देखने को मिला है। एनुअल स्टेटस ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) की ताजा सर्वे रिपोर्ट में यह तथ्य उजागर हुआ है। देश के करीब 18 हजार गांवों के साढ़े 6 लाख बच्चों पर हुए सर्वे में शिक्षा में आए सुधार के साथ ही डिजिटल युग की नई चुनौतियां भी सामने आई हैं। सरकारी स्कूलों में बच्चों की बुनियादी पढ़ाई और गणितीय कौशल में उल्लेखनीय सुधार से स्पष्ट है कि राज्य सरकारों और संबंधित विभाग के संयुक्त प्रयास रंग ला रहे हैं। मिशन निपुण भारत के अंतर्गत पाठ्यक्रम, शिक्षण सामग्री, प्रशिक्षण और मूल्यांकन में सुधारों ने पहली और दूसरी के बच्चों में सीखने के परिणामों को मजबूत किया है।

'असर 2024' के सर्वेक्षण में पहली बार डिजिटल लिटरेसी पर विशेष ध्यान दिया गया, जिसके नतीजे चिंताजनक और उत्साहजनक दोनों हैं। रिपोर्ट के अनुसार, 14–16 वर्ष के 82.2 फीसदी स्कूली बच्चे स्मार्टफोन का उपयोग करना जानते हैं, लेकिन इनमें से केवल 57 फीसदी ही इसे शैक्षणिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल कर रहे हैं। यह तथ्य दर्शाता है कि डिजिटल उपकरणों का अधिकतम उपयोग अभी भी मनोरंजन व इससे इतर दूसरे कार्यों की ओर ज्यादा झुका हुआ है। चिंता की एक और बात यह है कि स्मार्टफोन तक पहुंच में लड़कों और लड़कियों के बीच असमानता बनी हुई है। साथ ही सुरक्षा फीचर्स की जानकारी में भी लड़के आगे हैं। यह असमानता लड़कियों की डिजिटल दुनिया में सीमित भागीदारी और सुरक्षा जोखिम को दर्शाती है। शिक्षा की गुणवत्ता को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सरकार को सतत प्रयास करने होंगे।

डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने और इसे शिक्षा से जोडने के लिए विशेष कार्यक्रमों की जरूरत है। स्कूलों में डिजिटल जागरूकता अभियान चलाने और पाठ्यक्रम में साइबर सुरक्षा को शामिल करने से इस असमानता को कम किया जा सकता है। इसके लिए शिक्षा विभाग को स्कूलों और समुदायों के बीच कार्यशालाएं आयोजित कर बच्चों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के सुरक्षित उपयोग के लिए जागरूक करना होगा। यह रिपोर्ट शिक्षा में हुई प्रगति की झलक दिखाने के साथ–साथ यह चेतावनी भी देती है कि डिजिटल दौर की चुनौतियों से निपटना अभी बाकी है। राजस्थान, मध य प्रदेश, छत्तीसगढ़, यूपी, हरियाणा आदि राज्यों में बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता को सुनिश्चित करने के साथ ही डिजिटल विभाजन को पाटने की भी जरूरत है। यही वक्त है जब नीति–निर्माता, शिक्षक और अभिभावक शिक्षा के नए आयामों को अपनाते हुए बच्चों का भविष्य बनाएं।

सुबह–सुबह सूर्य नमस्कार करना सेहत के लिए जरुरी

सुबह के समय सूर्य नमस्कार करना स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होता है। यह न केवल शरीर को ताजगी देता है, बल्कि मानसिक शांति भी प्रदान करता है।इस लेख में हम आपको बताएंगे कि कैसे आप सुबह के समय सूर्य नमस्कार करने की आदत डाल सकते हैं और इसके क्या–क्या फायदे होते हैं।यह लेख सभी उम्र के लोगों के लिए उपयोगी होगा, खासकर उन लोगों के लिए, जो अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव लाना चाहते हैं।

सही तरीके से शुरुआत करें

सूर्य नमस्कार की शुरुआत करने से पहले अपने शरीर को हल्का गर्म कर लें। इससे मांसपेशियों में खिंचाव नहीं होगा और चोट लगने का खतरा कम रहेगा।शुरुआत में धीरे–धीरे यह एक्सरसाइज करें और हर आसन पर ध्यान दें। अगर आप पहली बार कर रहे हैं, तो किसी विशेषज्ञ की सलाह लेना बेहतर होगा, ताकि आप सही तरीके से इसे सीख सकें।इससे आपको सही तकनीक का ज्ञान होगा, जिससे अभ्यास अधिक प्रभावी होगा और शरीर का लचीलापन बढ़ेगी।

नियमितता बनाए रखें

सूर्य नमस्कार का फायदा तभी मिलता है, जब इसे नियमित रूप से किया जाए। इसे रोजाना एक ही समय पर करने की कोशिश करें, ताकि यह आपकी दिनचर्या का हिस्सा बन सके।इससे आपके शरीर को इसकी आदत हो जाएगी और आप ज्यादा ऊर्जावान महसूस करेंगे। नियमित अभ्यास से न केवल आपका शरीर लचीला बनेगा, बल्कि मानसिक शांति भी मिलेगी।यह आदत आपको दिनभर तरोताजा और सक्रिय बनाए रखेगी, जिससे आपके काम करने की क्षमता भी बढ़ेगी।सूर्य नमस्कार करते समय सांसों पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है। हर आसन के साथ ध ीरे–धीरे और सही तरीके से सांस लें और छोड़ें।इससे आपकी श्वसन प्रणाली मजबूत होगी और मानसिक शांति मिलेगी। गहरी सांस लेने से तनाव कम होता है और मन शांत रहता है, जिससे आप बेहतर तरीके से ध्यान केंद्रित कर पाते हैं।यह प्रक्रिया शरीर को ऊर्जा देती है और आपको दिनभर तरोताजा महसूस करवाती है।शुरुआत में 5–10 मिनट तक सूर्य नमस्कार करें, ताकि आपका शरीर इस अभ्यास का आदी हो सके। ध ीरे–धीरे इसका समय बढ़ाएं और ध्यान दें कि आपका शरीर कैसे प्रतिक्रिया करता है।जैसे–जैसे आप इसे नियमित रूप से करते रहेंगे, आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी। इससे आपको बेहतर संतुलन और शारीरिक शक्ति मिलेगी।अधिक समय तक अभ्यास करने से आप मानसिक रूप से भी शांत महसूस करेंगे और दिनभर ऊर्जावान रहेंगे। यह प्रक्रिया आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी।खुद को प्रेरित रखने के लिए अपने अनुभवों को लिखें और दोस्तों के साथ साझा करें, जो इस प्रक्रिया में आपकी मदद कर सकते हैं।इससे आपको नई दृष्टि मिलेगी और आप अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित कर पाएंगे। सकारात्मक सोच बनाए रखें और अपनी प्रगति को मापने के लिए छोटे–छोटे लक्ष्यों का निर्धारण करें।

बढ़ते खतरे और बदलते समीकरण!

बांग्लादेश फिर राजनीतिक उथल–पुथल के दौर से गुजर रहा है। देश अस्थिरता और अवामी लीग के सदस्यों और हिंदुओं के खिलाफ व्यवस्थित हिंसक प्रतिशोध में उलझा है। बांग्लादेश के अनिश्चित राजनीतिक भविष्य के क्षेत्रीय स्थिरता और भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों के लिए रणनीतिक निहितार्थ हैं। छात्र आंदोलन की आड़ में शेख हसीना की सत्ता से बेदखली अमरीका व पाकिस्तान की सुनियोजित योजना का हिस्सा थी। बांग्लादेश की सेना अमरीकी योजना के अनुरूप चली। चीन भी पाकिस्तान के जरिए इस योजना से अवगत था। अब बांग्लादेश का पाकिस्तान से ज्यादा नजदीकियां बढ़ रही हैं। इससे भारत के साथ तनाव अधिक होना स्वभाविक है। बीते हफ्ते बांग्लादेश में इस्कॉन से जुड़े चिन्मय कृष्ण दास को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया था, जिसके बाद तनाव और भी बढ़ गया।

युनुस अमरीका के बहुत करीब हैं और शेख हसीना के प्रति उनका व्यक्तिगत द्वेष है। उनके ग्रामीण बैंक से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं के मामलों में उन्हें फंसाने से यह द्वेष शत्रुता के स्तर तक चला गया। हसीना ने सार्वजनिक रूप से युनुस को सूदखोर तक कहा, जो इस्लाम में वर्जित है। अंतरिम सरकार ने युनुस पर लगे सभी मामले खारिज कर दिए हैं।

हसीना के जाने के बाद जो शुरुआती उत्साह दिखा, वह बांग्लादेश को स्थिर व समृद्ध लोकतंत्र में बदलने का कोई जादू नहीं कर पाया। अंतरिम सरकार की संवैधानिक वैधता पर बड़ा सवालिया निशान बना हुआ है। अंतरिम सरकार भारत के बजाय अमरीका, चीन व पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ा रही है। अमरीकी प्रतिनिधिमंडल इस सरकार की हौसलाअफजाई करने ढाका के दौरे कर चुके हैं।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का 100 दिनों का कार्यकाल अस्थिरता–अराजकता से भरा रहा है। सरकार में शामिल विभिन्न तबके के लोगों के अलग–अलग एजेंडों के कारण नीतियों में सामंजस्य की कमी है। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी तत्काल चुनाव की मांग कर रही है। छात्र नेता सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी अवामी लीग पर प्रतिबंध लगाने की मांग कर रहे हैं। ऐसा कोई भी प्रयास निश्चित रूप से भविष्य के किसी भी चुनाव और लोकतांत्रिक मानदंडों की विश्वसनीयता को कमजोर करेगा। प्रतिशोध की भावना हावी है। आवामी लीग सदस्यों, अल्पसंख्यक हिंदू और आदिवासी समुदायों को निशाना बनाया जा रहा है। सेना और पुलिस की संयुक्त ताकत भी इन्हें पूरी तरह रोकने में असमर्थ है। नतीजतन, हिंदुओं और आदिवासियों का भारत में जबरन पलायन हो रहा है। आवामी लीग नेता और कार्यकर्ता भी भारत भाग गए हैं। मुजीबुर रहमान और रवींद्रनाथ टैगोर की प्रतिमा को तोड़ा गया। इस्लामवादियों और अन्य कैदियों को माफी के तहत रिहा कर दिया गया है। रिहा किए गए चरमपंथी भारत विरोधी जहर उगल रहे हैं और भारत के विभाजन का आह्वान कर रहे हैं। कुछ जजिया लागू करने की वकालत कर रहे हैं। इस्लामवादी अंतरिम सरकार में घुस गए हैं और यूनुस उन्हें रोकने में असमर्थ या अनिच्छुक प्रतीत होते हैं।हिंदुओं की सुरक्षा और संरक्षण के लिए इस्कॉन प्रमुख के नेतृत्व में 8 सूत्री मांगें रखी गईं, लेकिन अंतरिम सरकार की प्रतिक्रिया प्रतिशोधात्मक रही। हिंदू सभाओं में भाग लेने वालों पर हमले हुए, सेना–पुलिस मूकदर्शक रही। इस्कॉन पुजारी को ढाका एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर देशद्रोह का आरोप लगाया जा सकता है। इस गिरफ्तारी से हिंदू विरोधी हिंसा बढने की आशंका है। प्रध ाानमंत्री मोदी ने इस चिंता को अपने ट्वीट में व्यक्त किया है। बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल के कारण अंतरिम सरकार की ओर से बयानबाजी बढ़ गई है, जिससे भारत में बेचैनी बढ़ी है। हसीना सरकार के लिए भारत के समर्थन को उनके निरंकुश शासन के प्रति सहमति के रूप में देखा जा रहा है। इसलिए, भारत विरोध अंतरिम सरकार और उसके समर्थकों के लिए एक बड़ा हथियार बन गया है।बांग्लादेश की पाकिस्तान नीति में बदलाव आया है। कई वर्षों बाद कराची से एक मालवाहक जहाज चटगांव पहुंचा। पाकिस्तान पर लगे कई प्रतिबंध हटा दिए गए हैं। यूनुस ने दक्षेस को पुनर्जीवित करने और पाकिस्तान से संबंध सुधारने की बात कही है। ये सभी भारत के लिए संकेत हैं और यह एक तरह से ताक–झांक की नीति का हिस्सा है। चीन ने उत्साहपूर्वक और अधिक वित्तीय मदद के रूप में ऋ ण देने का वादा किया है। पाकिस्तान के साथ बढ़ते संपर्क से आइएसआइ एक बार फिर बांग्ला भूमि से भारत विरोधी गतिविधियां चला सकता हैं।

बांग्लादेश मुकदमा चलाने के लिए हसीना को देश में बुलाना चाहता है। दोनों देशों में प्रत्यर्पण संधि है, जिसका इस्तेमाल किया जा सकता है। बांग्लादेश ने अब तक इसके लिए संकोच किया और चाहता है कि हसीना चुप रहें और दिल्ली से बयान जारी न करें। उसे पता है कि भारत द्वारा हसीना को सौंपे जाने की संभावना शून्य है। शुरुआती असंयमित टिप्पणियों के बाद अंतरिम सरकार अब दोनों देशों की परस्पर निर्भरता की बात कर रही है। यूनुस ने नए शासन में भी भारत के साथ घनिष्ठ मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखने की प्रतिबद्धता जताई है लेकिन हसीना के प्रति भारत के समर्थन से भारत विरोधी भावना बढ़ी है।भारत, "प्रतीक्षा करो और देखो" की नीति अपना रहा है और आवश्यक खाद्य पदार्थों के निर्यात सहित सामान्य व्यापार को फिर शुरू करने की अनुमति दे दी है। बांग्लादेश में निर्वाचित सरकार का आने में अभी एक या दो साल लग सकते हैं। भविष्य उसे लोकतंत्र की ओर ले जाएगा या संकर इस्लामवाद की दिशा में, यह एक बड़ा प्रश्न है। भारत के लिए बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन ने हसीना सरकार के तहत बहुआयामी घनिष्ठ संबंधों पर आधारित यथास्थिति को बिगाड़ा है। भारत के सामने एक नई चुनौती है, जिसे वह समझता है। भारत के नीति निर्माता इससे उसी तरह निपटेंगे,जैसा कि वे पहले भी कर चुके हैं।

व्यापार घाटे में बढ़ोतरी

समाधान देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है। लेकिन यह धीरज के साथ दूरगामी निवेश और नियोजन से ही हो सकता है। इस दिशा में पहल का कोई संकेत नहीं दिखता। नतीजतन, व्यापार घाटा अपरिहार्य बना हुआ है।चालू वित्त वर्ष में सिर्फ दो महीने ऐसे रहे, जब वस्तु व्यापार में उसके पिछले महीने की तुलना में व्यापार घाटा कम हुआ।लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।

लेकिन अप्रैल 2024 को आधार बनाएं, तो तब से नवंबर तक घाटा कुल मिला कर बढ़ा ही है। अप्रैल में व्यापार घाटा 19.1 बिलियन डॉलर रहा, जो नवंबर में 37.8 बिलियन डॉलर तक पहुंच गया है।इसका सीध ाा कारण तो निर्यात की तुलना में आयात का तेजी से बढ़ना है, लेकिन इस बड़ी कहानी के अंदर कुछ बारीक अहम तथ्य भी हैं।नवंबर में गुजरे वर्ष के इसी महीने की तुलना में आयात 27 फीसदी बढ़ा, वहीं निर्यात 4.7 प्रतिशत गिरा।सरकारी अधिकारी चूंकि हर नकारात्मक खबर के बचाव की दलील ढूंढ कर आते हैं, इसलिए उन्होंने नवंबर के आंकड़ों के बारे में कहा कि बीते महीने सोने का आयात तेजी से बढ़ा, जबकि प्रमुख रूप से पेट्रोलियम पदाथों का निर्यात घटने की वजह से कुल निर्यात आंकड़ों में गिरावट दिखी।यानी चिंता की कोई बात नहीं है। वैसे स्वर्ण आयात बढ़ने का रास्ता सरकार ने ही साफ किया है। इस पर आयात शुल्क में भारी कटौती और यूएई से मुक्त व्यापार समझौते का इसमें प्रमुख योगदान है।उधर रूस से सत्ता तेल खरीद कर अमेरिका और यूरोप निर्यात करने का रुझान ठंडा पड़ गया है। ऐसे पेट्रोलियम निर्यातक दूसरी जगह बाजार ढूंढ रहे हैं, लेकिन अभी इसमें ज्यादा कामयाबी नहीं मिली है।वैसे व्यापार घाटे में बढ़ोतरी का कारण और भी है। भारत के निर्यात लगातार आयात निर्भर होते गए हैं।प्रोडक्शन लिंक्ड इन्सेंटिव जैसी योजनाओं के कारण प्रमुख इनपुट्स का आयात कर निर्मित वस्तुओं के निर्यात का चलन बढ़ा है।इस तरह भारत का जितना निर्यात बढ़ता है, उसी अनुपात में आयात बढ़ जाता है। इसका सबसे ज्यादा लाभ चीन को मिला है।यानी कुल मिला कर आयात–निर्यात के कारोबार में चीन पर निर्भरता बनी हुई है। इसका उपाय देश के अंदर ही पूरा सप्लाई चेन तैयार करना है।लेकिन यह धीरज के साथ दूरगामी निवेश और नियोजन से ही हो सकता है। इस दिशा में पहल का कोई संकेत नहीं दिखता। नतीजतन, व्यापार घाटा अपरिहार्य बना हुआ है।

अहमियत बनी रहेगी

संकेत साफ है। श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी। दिसानायके ने यह दो टूक भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी।श्रीलंका के राष्ट्रपति अनूरा कुमारा दिसानायके की यात्रा से भारत को दो आश्वासन मिले। पहला तो यही कि दिसानायके ने राष्ट्रपति के रूप में अपनी विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना।नई दिल्ली में उसका मतलब यह समझा गया है कि श्रीलंका के मार्क्सवादी राष्ट्रपति की विदेश नीति में भी भारत की अहमियत बनी रहेगी।

फिर दिसानायके ने भरोसा दिया कि उनकी सरकार श्रीलंकाई जमीन से किसी भारत विरोधी गतिविधि की इजाजत नहीं देगी।मतलब यह समझा गया कि चीनी खोजी एवं अन्य जहाजों को श्रीलंका में लंगर डालने की अनुमति दी भी गई, तो श्रीलंका सरकार सुनिश्चित करेगी कि वे वहां से भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने वाली किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे।दिसानायके अगले महीने चीन जाने वाले हैं। चूंकि भारत में पड़ोसी देशों के चीन से संबंध को लेकर एक खास तरह की संवेदनशीलता रहती है, इसलिए निश्चित रूप से यहां के कूटनीतिकों की नजर उस यात्रा पर रहेगी।फिलहाल, यह साफ हुआ है कि श्रीलंका की नई सरकार की अपनी प्राथमिकताएं हैं। 2022 में जिस आर्थिक संकट में देश फंसा था, उसके असर से आज भी नहीं उबर पाया है।ऊपर से आईएमएफ से लिए गए कर्ज की शर्तों ने सरकार के लिए नई चुनौतियां खड़ी की हैं। ऐसे में भारत जैसे बड़े पड़ोसी देश के साथ किसी विवाद में उलझने का जोखिम वहां की सरकार शायद ही उठा सकती है।मगर वह चीन की उपेक्षा करने की स्थिति में भी नहीं है, जिसका बहुत भारी निवेश श्रीलंका में है।संकेत यह है कि दिशानायके इन दोनों बड़े देशों की संवेदनशीलताओं का ख्याल करते हुए फिलहाल दोनों से सद्भावपूर्ण संबंध को प्राथमिकता दे रहे हैं।

नई दिल्ली में यह संदेश देने के बाद उनकी कोशिश बीजिंग में भी ऐसा ही पैगाम देने की होगी। बहरहाल, भारत यात्रा के दौरान, जैसाकि अक्सर शिखर नेताओं की यात्रा के समय होता है, कुछ महत्त्वपूर्ण व्यापार एवं रक्षा समझौते भी हुए।इनसे भी सकारात्मक प्रभाव पैदा हुआ है। भारत के लिए अच्छी बात है कि जिस समय विभिन्न पड़ोसी देशों से चुनौती भरे संकेत आ रहे हैं, श्रीलंका ने उसे आश्वस्त किया है।

बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए अनिवार्य हो स्वास्थ्य शिक्षा

डॉ. राहुल मेहरा
यूनेस्को ग्लोबल हेल्थ एंड एजुकेशन चेयर के भारतीय प्रतिनिधि

हमारी सांसें, हमारा पानी और हमारे बचपन में बनी आदतें, हमारे स्वास्थ्य और जीवन की दिशा तय करती हैं। लेकिन, दिल्ली–एनसीआर के लाखों बच्चों के लिए वर्तमान पर्यावरणीय परिदृश्य चिंता का विषय बन गया है। दिल्ली के साथ–साथ भारत के कई शहरों में खराब होती वायु गुणवत्ता और बढ़ती स्वास्थ्य समस्याओं ने अस्पतालों से लेकर कक्षाओं तक एक तात्कालिक कदम की आवश्यकता को जन्म दिया है। इन स्वास्थ्य संकटों से लडने का सबसे सशक्त साधन स्वास्थ्य शिक्षा है। यह शिक्षा महज शारीरिक स्वास्थ्य की जानकारी तक सीमित नहीं है, बल्कि यह बच्चों को आज की स्वास्थ्य चुनौतियों के लिए तैयार करने और उनके बेहतर भविष्य की नींव रखने का माध्यम है। दुनिया के कई शहरों, जैसे डलास और डेट्रॉइट में बच्चे साफ हवा में सांस लेते हैं और सुरक्षित वातावरण में रहते हैं। दिल्ली के बच्चों को भी यही अधिकार क्यों न मिले? पर्यावरण नीतियां जरूरी हैं, लेकिन असली बदलाव तभी आएगा जब बच्चों में जागरूकता और सही आदतें विकसित होंगी। और यह बदलाव स्कूलों से ही शुरू हो सकता है।

स्वास्थ्य शिक्षा क्यों है महत्त्वपूणर्रू स्वास्थ्य शिक्षा केवल जीव विज्ञान के पाठ या सफाई की टिप्स तक सीमित नहीं है। यह एक ऐसी शिक्षा है, जो छात्रों के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को उनके दैनिक जीवन का हिस्सा बनाती है। सोचिए, एक ऐसी पीढ़ी के बारे में, जो पोषण के महत्त्व को समझती है, तनाव को सही तरीके से प्रबंधित कर सकती है और शांतिपूर्ण तरीके से विवाद सुलझा सकती है। ऐसी पीढ़ी केवल जीवित नहीं रहती, बल्कि उन्नति करती है। तरंग हेल्थ एलायंस ने हरियाणा, एनसीआर और जयपुर के 30 स्कूलों में एक पायलट प्रोग्राम लागू किया है। स्वास्थ्य शिक्षा का यह पाठ्यक्रम कक्षा 6 से 8 के छात्रों के लिए लागू किया गया है। इसका प्रभाव बेहद सकारात्मक रहा है। बच्चे बेहतर खानपान का चुनाव करना सीख रहे हैं, शिक्षकों ने कक्षाओं में सुधार देखा है और अभिभावक घर पर जागरूकता बढने की बात कह रहे हैं। ये केवल पाठ नहीं हैं, बल्कि खुशहाल और स्वस्थ जीवन जीने की कला है।बदलाव का दृष्टिकोणरू भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के उद्देश्य, जो समग्र विकास पर जोर देते हैं, इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि स्वास्थ्य को स्कूलों के पाठ्यक्रम में एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा बनना चाहिए। फिर भी, स्वास्थ्य शिक्षा को अक्सर एक पूरक विषय के रूप में देखा जाता है। स्वास्थ्य शिक्षा उतना ही महत्त्वपूर्ण विषय होना चाहिए, जितना गणित और विज्ञान हैं।व्यापक प्रभावरू स्वास्थ्य शिक्षा केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित नहीं है, यह समाज को बदलने की क्षमता रखती है। शोध बताते हैं कि प्रारंभिक स्वास्थ्य शिक्षा से पुरानी बीमारियों की दर में कमी आ सकती है, जिससे स्वास्थ्य देखभाल की लागत कम होगी और राष्ट्रीय उत्पादकता में सुधार होगा। इसके अलावा, यह 'स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत' और 'विकसित भारत' के उद्देश्यों के साथ पूरी तरह मेल खाता है। मिलकर हम यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि हर बच्चा, चाहे वह किसी भी सामाजिक–आर्थिक पृष्ठभूमि से हो, एक स्वस्थ और सुरक्षित वातावरण में सीखने, बढने और प्रगति करने का अवसर पा सके। शिक्षा में किया गया निवेश सबसे शक्तिशाली है। इसे स्वास्थ्य के साथ जोड़ा जाना चाहिए। ऐसा करके हम न केवल अपने बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा करेंगे, बल्कि एक ऐसा राष्ट्र भी बनाएंगे जो सशक्त, जागरूक और आने वाले कल की चुनौतियों के लिए तैयार हो।

क्या एलोवेरा जूस हमेशा सुरक्षित है?

एलोवेरा जूस एक ऐसा पेय है, जिसे बेहद सेहतमंद माना जाता है। यह सच है कि एलोवेरा में कई पोषक तत्व होते हैं, जो सेहत के लिए अच्छे माने जाते हैं।हालांकि, क्या यह हमेशा सुरक्षित होता है?इस लेख में हम एलोवेरा जूस से जुड़े कुछ मिथकों पर चर्चा करेंगे और जानेंगे कि इसे डाइट में जोड़ते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए, ताकि इसका सही लाभ मिल सके और संभावित नुकसान से बचा जा सके।एलोवेरा जूस को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद बताया जाता है, क्योंकि यह पाचन को सुधारने और त्वचा की देखभाल करने में मदद करता है।हालांकि, इसका अधिक सेवन पेट दर्द या दस्त जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। इसीलिए, इसे संतुलित मात्रा में ही लेना चाहिए।अगर आप किसी बीमारी से ग्रस्त हैं या दवा ले रहे हैं, तो इसे खान–पान का हिस्सा बनाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें, ताकि कोई अनचाही समस्या न हो।

गर्भावस्था के दौरान महिलाओं को अपनी डाइट का खास ध्यान रखना होता है। इस समय एलोवेरा जूस का सेवन करने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लें।यह इसलिए जरूरी है, क्योंकि एलोवेरा जूस में मौजूद कुछ तत्व गर्भस्थ शिशु पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकते हैं। यह शिशु के विकास में बाधा डाल सकता है।इसलिए गर्भवती महिलाओं को एलोवेरा जूस पीने से बचना चाहिए या विशेषज्ञ की राय अवश्य लेनी चाहिए, ताकि कोई समस्या न हो।मां–बाप बच्चों को हमेशा पौष्टिक खाद्य पदार्थ देने की कोशिश करते हैं। हालांकि, एलोवेरा जूस का सेवन उनके लिए फायदेमंद नहीं होता है।बच्चों का पाचन तंत्र वयस्कों जितना मजबूत नहीं होता है और एलोवेरा जूस उनके पेट में दर्द पैदा कर सकता है। इससे पेट में ऐंठन हो सकती है या दस्त जैसी समस्याएं हो सकती हैं।इसलिए बच्चों को यह देने से पहले बाल रोग विशेषज्ञ से सलाह अवश्य लें।अगर आप कोई दवा ले रहे हैं, तो एलोवेरा जूस पीने से पहले सावधानी बरतें। यह कुछ दवाओं के साथ प्रतिक्रिया कर सकता है और उनकी प्रभावशीलता को कम कर सकता है या साइड इफेक्ट्स बढ़ा सकता है।ऐसे में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है, ताकि आपकी स्वास्थ्य स्थिति स्थिर बनी रहे।

शासन की प्राथमिकता के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें

सीएम डैशबोर्ड पोर्टल के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ समीक्षा की

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी ने विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पोर्टल पर कार्यो/योजनाओं के सम्बन्ध में अधिकारियों के साथ समीक्षा की। जिलाधिकारी ने पिछली मासिक बैठक में दिये गये निर्देशों एवं प्रगति के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। विद्युत विभाग की समीक्षा में विद्युत बिल के सुधार के सम्बन्ध में निर्देशित किया गया कि एसडीओ स्तर पर कर्मचारियों की नियुक्ति कर दी जाये जिससे उपभोक्ताओं को

➤ आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये–जिलाधिकारी

बिल जमा करने में इधर–उधर भटकना न पड़े। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा में उप कृषि निदेशक को निर्देशित किया कि कार्ययोजना के अनुसार मानीटरिंग करते हुये प्रगति में सुधार लाये। डीसी मनरेगा को निर्देशित किया गया कि मनरेगा योजना में पारदर्शिता बनाये रखे, यदि किसी के द्वारा फर्जीवाड़ा पाया जाये तो सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित करते हुये वसूली की कार्यवाही की जाये। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को निर्देशित किया गया कि गौशालाओं का निरीक्षण कराया जाये और जो भी कमियां पायी जाये उसे दुरूस्त करायें। सीएम डैशबोर्ड पर पंचायती राज विभाग, जल निगम, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग की

रैकिंग डी एवं ई श्रेणी में पायी गयी जिस पर सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया कि रैकिंग में सुधार लाये, लापरवाही कदापि न बरती जाये। उन्होने कहा कि निरन्तर सीएम डैशबोर्ड की निगरानी करते रहे और अपने विभागों की योजनाओं के क्रियान्वयन पर विशेष ध्यान दें, निर्धारित समयावधि में निस्तारित करें, सभी सम्बन्धित विभाग सीएम डैशबोर्ड को गम्भीरता से लें। जिलाधिकारी ने सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने–अपने विभाग की योजनाओं/कार्यक्रमों के लक्ष्य को निर्धारित समय सीमा में अवश्य पूर्ण करें। उन्होने कहा कि अधिकारी शासन की विकास प्राथमिकता के कार्यक्रमों पर विशेष ध्यान दें, इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता कदापि न बरती जाये। उन्होने कहा कि सम्बन्धित विभागाध्यक्ष अपने विभाग के कार्यो की स्वयं समीक्षा करें एवं प्रगति में सुधार लायें। आईजीआरएस पोर्टल की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि शिकायतें डिफाल्टर श्रेणी में कदापि न जाने पाये, शिकायतकर्ताओं की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से निर्धारित समयावधि में किया जाये, जिससे शिकायतें बार–बार न प्राप्त हो। अन्त में जिलाधिकारी ने कोर्ट में आये हुये प्रकरणों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी प्रियंका सोनी व अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

मेला क्षेत्र का डीएम–एसपी ने किया निरीक्षण, दिए निर्देश

चित्रकूट। डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह ने महाकुंभ प्रयागराज मेले को सकुशल सम्पन्न कराये जाने के दृष्टिगत क्षेत्राधिकारी नगर राजकमल की उपस्थिति में धनुष चौराहा, काली देवी चौराहा, पुरानी कोतवाली, मंदाकिनी पुल, बेड़ीपुलिया का भ्रमण कर यातायात व सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। जनपद में आने वाले श्रद्धालुओं के स्नान व बेड़ीपुलिया से कर्वी तक यातायात व्यवस्था को देखते हुए निरीक्षण किया। मेले में लगे सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी प्रकार की समस्या श्रद्धालुओं को नहीं होनी चाहिए। जनपद में यातायात व्यवस्था बनाये रखने के लिए यातायात पुलिस अधिकारी, कर्मचारीगण को निर्देशित किया गया। सुरक्षा में लगे पुलिस कर्मियों को सतर्कतापूर्वक ड्यूटी करने एवं श्रद्धालुओं से विनम्रतापूर्वक व्यवहार करने के निर्देश दिए। इस दौरान ईओ लाल जी यादव, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली उपेंद्र प्रताप सिंह, पीआरओ प्रदीप पाल आदि मौजूद रहे।

यातायात व्यवस्था दुरुस्त रखने के दिए निर्देश– महाकुंभ प्रयागराज से चित्रकूट आने वाले श्रद्धालुओं के लिए ट्रैफिक व्यवस्था दुरुस्त बनाए रखने को डीएम शिवशरणप्पा जीएन एवं एसपी अरुण कुमार सिंह ने मेला क्षेत्र का भ्रमण किया।

डीएम–एसपी ने महाकुंभ मेला के दौरान रामघाट पर भीड़ को देखते हुए लगातार भ्रमणशील होकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मेले में लगे सेक्टर, जोनल मजिस्ट्रेट और सुरक्षा कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहां कि मेला को सकुशल संपन्न करना सभी लोगों का दायित्व है। मेला को ड्यूटी स्थल पर रहते हुए सकुशल संपन्न कराए। इस अवसर पर एडीएम उमेशचन्द्र निगम, एएसपी चक्रपाणि त्रिपाठी, ईओ लाल जी यादव सहित संबंधित अधिकारी आदि मौजूद रहे।

संक्षेप

वृद्ध को बस ने कुचला, मौत

चित्रकॅट। रैपुरा थाना क्षेत्र के बांधी के पास सडक पार कर रहे किसान को प्रयागराज की ओर जा रही बस ने रौंद दिया। घटना के बाद बस लेकर चालक भाग निकला। कुछ देर बाद स्थानीय लोगों को जानकारी हुई तो किसान को लेकर सीएचसी पहुंचे जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रैपुरा थाना क्षेत्र के ओरहा निवासी संतोष कुमार ने बताया कि उनके रिश्तेदार कंधई (75) शनिवार को खेत गये थे। देर शाम अंधेरा होने के बाद वह खेत से घर की ओर आ रहे थे। जैसे ही वह हाईवे के बांधी के पास पहुंचे और सडक पार करने का प्रयास किया तो प्रयागराज की ओर जा रही तेज रफ्तार बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। इससे वह लहुलुहान होकर वहीं गिर पड़े। इसके बाद बस लेकर चालक भाग निकला। अंधेरा होने से आसपास के लोग एक्सीडेंट को समझ नहीं पाये। कुछ देर बाद राहगीरों ने सडक पर पड़े कंधई की जानकारी आसपास के लोगों व पुलिस को दी। थाना प्रभारी श्याम प्रताप ने बताया कि सूचना पर पुलिस पहुंची तब तक किसान के परिजन उन्हें लेकर अस्पताल जा चुके थे। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रविवार को शव को पोस्टमार्टम कराया गया है।

पुलिस ने पांच जुआरियों को दबोचा

चित्रकूट। मानिकपुर थाना के एसआई शम्भूशरण सिंह ने टीम के साथ पप्पू पुत्र गिल्लीवा निवासी मोहल्ला शिवनगर, शुद्धा पुत्र चुनवाद निवासी सरैया हालमुकाम इन्द्रा नगर, मुकेश पुत्र दुवोझ निवासी इन्द्रा नगर, महेन्द्र पुत्र नानबाबू निवासी इन्द्र ानगर, रज्जू पुत्र तेजीवा निवासी इटवा रैपुरा को जुआ खेलते हुये गिरफ्तार किया है। मालफड़ से 1570 रुपये, ताश के पत्ते व जामातलाशी से 220 रुपये बरामद हुए हैं।

महिला ने खाया जहर

चित्रकूट। पहाड़ी थाना के नांदिन गांव की निधि (24) पत्नी धीरेन्द्र शुक्ला ने परवारिक कलह के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। जब परिजनों को पता चला तो उसे उपचार के लिए जिला आस्पताल मे भर्ती कराया। जहा उसकी हालत नाजुक देख डाक्टरों ने प्रयागराज रेफर किया है।

भाजपाइयों ने आरोपी को बचाने को लिए थाने का किया घेराव

कानपुर । आरोपी को बचाने के लिए भाजपा जिलाध्यक्ष कई भाजपा कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ धरने पर मौजूद कानपुर भाजपाइयों ने किया थाने का घेराव, पुलिस की उचित कार्यवाही पर उठाए सवाल अपराधिक मानसिकता का युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष प्रखर श्रीवास्तव ने शुक्रवार को गाड़ी ओवरटेक करने पर सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसके साथियों पर रौब दिखाकर चकेरी थाने में प्रशासन के सामने बेरहमी से पीटा वहीं इसी मामले में क्षेत्रीय पुलिस ने भाजपा नेता के दबाव के चलते पीड़ितों से जबरन करवा लिया था सुलह वहीं जब पीड़ितों ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी कानपुर कमिश्नरी में दी तो तत्काल उच्च अधिकारियों ने एसीपी को जांच सौंपी एसीपी की जांच में सीसीटीवी फुटेज में थाने के अंदर घुस कर भाजपा नेता का पीड़ितों को बेरहमी से पीटते हुए वीडियो सामने आया वहीं इसी मामले को लेकर भाजपा नेता पर कार्यवाही की गई तो भाजपा जिलाध्यक्ष कानपुर दक्षिण शिवराम सिंह आरोपी को बचाने के लिए थाने में धरना देने पहुंचे, लगभग 5 घंटे लगातार घरने में बैठे भाजपा नेताओं ने थाने में ही हनुमान चालीसा का पाठ किया इस धरने में प्रमुख रूप से विवेक शुक्ला, राजू जायसवाल, शानू शर्मा, पियूष सिंह, सोनू बाबा, अशोक मेम्बर, लालू पाल आदि लोग मौजूद रहे।

लगाया गया 3.12 लाख का जुर्माना

कानपुर । आरटीओ प्रवर्तन अधिकारियों ने साढ़ क्षेत्र में चेकिंग अभियान चला कर बिना वाहन नंबर प्लेट, ओवरलोड एवं अनधिकृत संचालित वाहनों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई करते हुए 13 वाहन निरुद्ध किए गए इसके साथ ही लगभग 3.12 लाख का जुर्माना लगाया गया ए आरटीओ प्रवर्तन अम्बुज भास्कर ने साढ़ थाना क्षेत्र उके अर्न्तगत हेलमेट, सीट बेल्ट और बिना एचएसआरपी नम्बर प्लेट के संचालित वाहनो की चेकिंग की चेकिंग के दौरान सडको पर चलने वाले ऐसे ओवरलोड वाहन जिनको पूर्व में भी चेतावनी दी गई थी साथ ही उनको जागरू किया गया था कि यातायात नियमो का पालन करे उसे अनदेखा न करे बावजूद इसके कुछ वाहन संचालको ने नियम विरूद्ध वाहन को संचालन किया जिसके प्रवर्तन अधिकारी द्वारा पकडे जाने पर कार्यवाही की गई साथ ही 13 वाहनो पर सीज की कार्यवाही के साथ ही 3.12 लाख का जुमाना भी लगाया गया।

अतिथियों ने विवाह हेतु कराया आवेदन

कानपुर । महर्षि कश्यप निषाद जनकल्याण समिति द्वारा रामदास मंदिर शिवाला सर्वजातीय वैवाहिक परिचय समागम आयोजित किया गया कई जिलों से वर वधू आवेदन प्राप्त हुए और लगभग 48 देव तुल्य अतिथियों ने विवाह हेतु आवेदन देकर उक्त संस्था अपना मुफ्त पंजीयन कराया इस अवसर पर 6 जोड़ो ने शादी सहमति प्रदान की समाज के सहयोग से जलपान की सुंदर सी व्यवस्था भी कार्यक्रम के दौरान रही इस मौके पर समिति के प्रदेश महासचिव श्याम कश्यप एडवोकेट, प्रदेश संयोजक रामबाबू निषाद, ने कार्यक्रम में शामिल हुये देवतुल्य अतिथियों का आभार जताया कार्यक्रम में मुख्य रूप से शंकर कश्यप, अमित कश्यप, प्रमोद गौडिध्या , अन्नू कश्यप, राधे श्याम कश्यप, रामकिशोर कश्यप, ब्रजेश गौड़ एडवोकेट, संदीप निषाद, विवेक प्रसाद, राजू कश्यप, अजय कश्यप, विजय कश्यप, आलोक कश्यप, संजय शाह, सुशील कश्यप एडवोकेट,विमल कश्यप, सर्वेश कश्यप आदि रहे।

25,000 रूपए के इनामिया वांछित आरोपी को किया गया गिरफ्तार

कौशाम्बी। जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना करारी व एसओजी की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा आर्म्स एक्ट से सम्बन्धित 25,000 रूपए का इनामिया वांछित नीलू यादव उर्फ वीरेन्द्र यादव निवासी अलीगंज थाना कोखराज को गुलामीपुर नहर पुलिया से गिरफ्तार कर कब्जे से 01 अदद तमन्चा व 01 अदद जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया। गिरफ्तार करने वाली टीम में टीम प्रथम– थाना करारी प्रभारी निरीक्षक विनीत सिंह, निरीक्षक शिवचरन राम, हेड कांसटेबल विनोद यादव, कांसटेबल योगेश चौधरी, कांसटेबल नीतेन्द्र बघेल, कांसटेबल कुलदीप कुमार, कांसटेबल विनीत सिंह, कांसटेबल पवन बघेल टीम द्वितीय– एसओजी सर्विलांस, उपनिरीक्षक सिद्धार्ध सिंह प्रभारी एसओजी, हेडकांसटेबल प्रमोद कुमार विश्वकर्मा, हेड कांसटेबल मनोज कुमार यादव, हेड कांसटेबल विजय कुमार सिंह, कांसटेबल सरताज अहमद, कांसटेबल मनीष कुमार, कांसटेबल अजय कुमार यादव रहें।

पुलिस लाइन मे महिलाओं की ससमस्याओं को सुनेंगी डॉक्टर

आजमगढ़। उ.प्र. राज्य महिला आयोग की सदस्य डॉ0 प्रियंका मौर्या दिनांक 13 फरवरी 2025 को 11:00 बजे पुलिस लाइन आजमगढ़ के सभागार में जनसुनवाई कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ महिलाओं की समस्याओं को सुनेंगी। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग द्वारा प्रदेश में महिला उत्पीड़न की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाए जाने तथा आवेदकध्आवेदिकाओं की समस्याओं के निराकरण के लिए उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की तरफ से प्रदेश के विभिन्न जनपदों के राजकीय गेस्ट हाउसों में सम्बन्धित जनपद के जिलाधिकारी की ओर से नामित वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अथवा उनकी ओर से नामित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष एवं सम्बन्धित थाने के क्षेत्राधिकारी के साथ महिला आयोग की सदस्यों द्वारा जन सुनवाई की जायेगी। किसी भी महिला को किसी भी प्रकार की घरेलू हिंसा या अन्य प्रकार की कोई भी समस्या है और उसकी सुनवाई कहीं भी नही हो रही है, तो वह दिनांक 13 फरवरी 2025 को पूर्वान्ह 11:00 बजे से पुलिस लाइन आजमगढ़ के सभागार में प्रारम्भ होने वाली जन सुनवाई कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी समस्या बता सकती हैं, जिससे उसका उचित निराकरण किया जायेगा। तत्पश्चात महिला बंदी गृह, बालिकाध्महिला गृहों एवं आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया जाएगा।

वुडबाइन गार्डेनिया स्कूल में स्पेक्ट्रम का भव्य आयोजन

कानपुर । वुडबाइन गार्डेनिया स्कूल कल्याणपुर कानपुर में स्पेक्ट्रम–2025 का भव्य रंगारंग कार्यक्रम आयोजित हुआ कार्यक्रम की शुरूआत में कल्याणपुर से विधायिका नीलिमा कटियार को पुष्प गुच्छ प्रदान करके किया गया इसके उपरांत आईआईटी के प्रबुद्ध प्रोफेसरों डॉ. अधीप अग्रवाल, डॉ. सत्यजीत बनर्जी व डॉ. सिद्धार्थ मुखर्जी को भी पुष्प गुच्छ प्रदान किये गये स्पेक्ट्रम के इस भव्य रंगारंग कार्यक्रम में प्ले ग्रुप से लेकर कक्षा 12 तक के बच्चों ने विभिन्न कार्यक्रमों के द्वारा आये हुए मुख्य अतिथियों के साथ आये हुए अभिभावकों को मंत्रमुध कर दिया कार्यक्रम की शुरूआत वेलकम स्पीच के साथ हुई उसके पश्चात जूनियर विंग के बच्चों द्वारा शोभायात्रा निकाली गई।

फिर राष्ट्रगीत व विद्यालय गान का आयोजन हुआ कक्षा 9 व 11 की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना की सफल प्रस्तुति दी गई प्ले ग्रुप, नर्सरी व प्रेप के बच्चों द्वारा आगमन नृत्य के पश्चात कक्षा 1,2 व 3 के बच्चों द्वारा योगा की मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति हुई विद्यालय की शाखा रावतपुर के प्ले ग्रुप से कक्षा 3 के बच्चों द्वारा स्पार्कल स्कवॉयड के नाम से नृत्य आयोजित हुआ जिसे देखकर आए हुए अतिथि व अभिभावक अभिभूत हो गए। कक्षा 4 से 8 के बच्चों ने योगा के विभिन्न आसन दिखाए, कक्षा 1, 2 व 3 के बच्चों ने ड्रिल प्रस्तुति दी इसके पश्चात सीनियर विंग के बच्चों द्वारा नुक्कड़ नाटक का सफल मंचन हुआ कक्षा 4 से 8 के बच्चों ने जिमनास्टिक व सीनियर विंग के बच्चों द्वारा कुंभ पर चलो कुंभ चलें पर आकर्षक संवाद प्रस्तुत किया कक्षा 2, 3, 4 व 5, 6, 7, 8 के बच्चों द्वारा कराटे की अद्‌भुत प्रस्तुति दी सीनियर बच्चों द्वारा सागर मंथन में देवताओं और दानवों की अद्‌भुत प्रस्तुति दी गई।

उक्त कार्यक्रमों के बाद प्लेग्रुप, नर्सरी व प्रेप के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की दौड़ स्पर्धा का प्रदर्शन किया गया जिसमें सफारी स्प्लैश, द बनाना डर्बी, बॉल बैलेंस ब्लिट्ज, जेली फिश जम्हूरी, द फनी बनी रेस, नोबिता निन्जा स्प्रिन्ट, द ट्राईपॉड ट्रॉट, हर्डल रेस, सेप रेस, मिक्की मिनी रेस, के अलावा रावतपुर के नन्हे–मुन्ने बच्चों द्वारा द मैजिक रेस, लेट्स गो फिशिंग, पुल द वैगन जैसी रेसों के द्वारा आए हुए मुख्य अतिथियों व अभिभावकों का मन मोह लिया कार्यक्रम के समापन पर विद्यालय की प्रधानाचार्या सुमिता मुखर्जी ने सभी आंगतुक अभिभावकों को धन्यवाद दिया।

सड़क हादसों में आधा दर्जन घायल

चित्रकूट। अलग–अलग सड़क दुर्घटना मे आधा दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया है। जहां उपचार चल रह है।

पहली दुर्घटना मे घायल कर्वी कोतवाली क्षेत्र के चकौध गांव निवासी रुद्रनरायण रविवार की सुबह अपनी पत्नी मनीषा के साथ बाइक से प्रयागराज कुम्भ स्नान करने जा रहे थे। जैसे ही बरगढ़ के पास पहुंचे तो बाइक के सामने जानवर बैल आ गया। जिसके चलते मनीषा चलती बाइक से कूद गई। वही बाइक असंतुलित हो कर गिर गई। जिससे दोनो घायल हो गये। जिन्हे एम्बुलेंस से उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया। जहां उपचार चल रह है। इसी क्रम मे मप्र के मधुसदनगढ़ गुना निवासी पीयूष पुत्र घनश्यामदास अपनी इनोवा कार से परिवार के साथ कुम्भ मेले मे प्रयागराज जा रहे थे। रविवार की तड़के रैपुरा के पास पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने ठोकर मार दी।

जिससे इनोवा कार एक कच्चे मकान मे जाकर घुस गई। गाड़ी मे आगे बैठे पीयूष गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हे उपचार के लिए जिला अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। जहां डाक्टरों ने उसकी हालत नाजुक देख उसे प्रयागराज रेफर किया है।

पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रुप से जिला कारागार का किया निरीक्षण

प्रतापगढ़। आज दिनांक 04.02.2025 को रिट पिटीशन संख्या 1404/2023 सुकन्या सांथा बनाम भारत सरकार में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेश दिनांक 03.10.2024 के अनुपालन में माननीय जनपद न्यायाधीश अब्दुल शाहिद, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अर्चना तिवारी एवं अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने संयुक्त रूप से जिला कारागार का निरीक्षण कर बंदियों की समस्याओं को सुना एवं जेल प्रशासन को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

जनपद न्यायाधीश व जिलाधिकारी ने महिला बैरक का निरीक्षण कर बन्दियों से उनके अपराध और जिला कारागार में मिल रही है सभी व्यवस्थायें की जानकारी प्राप्त की।

महिला बैरक में सिलाई प्रशिक्षण केन्द्र का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। जिला कारागार में बने अस्पताल के निरीक्षण में मरीज भर्ती से उनके स्वास्थ्य, दवाओं व भोजन की उपलब्धता के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी तो भर्ती मरीजों द्वारा बताया गया कि दवा, भोजन आदि की सुविधायें समय से मिल रही है। जिला कारागार के निरीक्षण के आंवला प्रसंस्करण केंद्र पर बंदियों द्वारा निर्मित आंवला उत्पाद, आंवला जूस, आंवला अचार, आंवला मुरब्बा इत्यादि का अवलोकन किया गया। उन्होने पाकशाला का निरीक्षण कर भोजन की गुणवत्ता को देखा तथा पुस्तकालय

में रखी पुस्तकों का अवलोकन भी किया।

इसके अतिरिक्त उ०प्र० जेल मैनुअल में निहित प्रावधानों के अंतर्गत पुनरीक्षण बोर्ड की बैठक भी आयोजित की गई जिसमें 06 सिद्धदोष बंदियों की समयपूर्व मुक्ति के संबंध में विचार विमर्श किया गया। निरीक्षण से सभी अधिकारी संतुष्ट नजर आए तथा और बेहतर करने के लिए आवश्यक सुझाव एवं दिशा निर्देश भी दिए। निरीक्षण के दौरान जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी, जेलर अजय कुमार सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 ए0एन0 प्रसाद, डिप्टी जेलर आफताब अंसारी आदि सम्बन्धित उपस्थित रहे।

बस में यात्री की बिगड़ी हालत

चित्रकूट। बस मे एक युवक की अचानक तबियत खराब हो गई। जिसे पुलिस द्वारा उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मे भर्ती कराया गया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बांदा जनपद के कमासिन थाना क्षेत्र के झनाक पुरवा निवासी मूलचंद्र (25) पुत्र हरि प्रसाद के परिजनों ने बताया कि वह सूरत मे रह कर मजदूरी करता था। छुट्टी लेकर रविवार को घर आ रहा था। सुबह मानिकपुर स्टेशन से उतर कर बस से गांव जा रहा था। तभी उसकी बस मे रास्ते मे अचानक तबियत खराब ही गई। बस चालक द्वारा उसे रास्ते मे उतार दिया। जहां पर खड़े डायल 112 पुलिस

कर्मियों ने उसे मानिकपुर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र मे भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की मौत की जानकारी परिजनों को लगी तो कोहराम मच गया। मृतक सात भाई, दो बहनो मे बड़ा था। मृतक की माँ कंची देवी का रो रो कर बुरा हाल है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आयोजित किया शोक सभा

सोनभद्र। भाजपा के जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद की धर्मपत्नी जी का शनिवार की रात में आकस्मिक हार्ट अटैक के दौरान निधन हो जाने से जिले में शोक की लहर दौड़ गई है। इस दुख की घड़ी मे जिला प्रभारी अनिल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल, सदर विधायक भूपेश चौबे व जनपद के सभी पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने उनके आवास पर जाकर अंतिम दर्शन कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित किया। भाजपा जिले के आज के कार्यक्रम जिसमें केन्द्रिय बजट पर चर्चा व प्रेसवार्ता होना सुनिश्चित हुआ था जो इस दुखद घटना के कारण स्थगित कर दिया गया है।

जूनियर विद्यालयों की बालिकायें प्राप्त कर रहीं आत्मरक्षा प्रशिक्षण

चित्रकूट। राज्य परियोजना निदेशालय लखनऊ के निर्देशानुसार रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण के अन्तर्गत जिले के उच्च प्राथमिक विद्यालयों/कम्पोजिट विद्यालयों/कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में यह प्रशिक्षण चल रहा है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा के आदेशानुसार रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण विद्यालयों में चल रहा है। एबीएसए नगर शशांक शेखर शुक्ला के मार्गदर्शन में उच्च प्राथमिक विद्यालय कोलगदहिया, कम्पोजिट विद्यालय कछारपुरवा, उच्च प्राथमिक विद्यालय रिहुटियां, में प्रशिक्षक श्यामसुन्दर यादव बालिकाओं को प्रशिक्षण दे रहें हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रशिक्षण से बालिकाओं में आत्मरक्षा की भावना जागृत होती है और उनका मनोबल बढता है । जो प्रशिक्षण दिया जा रहा है उससे बालिकाओं को चाहे वह ट्रेन का सफर हो बस का सफर हो या कहीं अकेले जा रहीं हैं या अचानक लड़ाई झगडा हो जाता है इस प्रशिक्षण से बालिकायें अपनी स्वयं की तो रक्षा करेंगी ही अन्य का भी सहयोग करेंगी। प्रशिक्षण के लिये बालिकाओं में बहुत ही उत्साह है और आत्मरक्षा प्रशिक्षण में बालिकायें बढ–चढ़कर हिस्सा ले रही हैं। डीसी बालिका शिक्षा संतोष साहू ने कहा कि यह प्रशिक्षण 2 साल से लगातार जिले में हो रहा है। उच्च प्राथमिक विद्यालय कोलगदहिया के प्रधानाध्यापक अशर्फीलाल सिंह ने कहा कि आत्मरक्षा प्रशिक्षण से स्कूल की सभी छात्राओं बहुत ही फायदा है।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड
CENTRAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

आवश्यक सूचना

एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की दसवीं और बारहवीं की वार्षिक परीक्षाएँ 15.02.2025 से प्रारम्भ हो चुकी हैं। बोर्ड परीक्षाओं की तिथि सारणी में पहले से ही अवगत कराया गया है कि बोर्ड परीक्षाएँ प्रातः 10:30 बजे (भारतीय समय अनुसार) शुरू होंगी। अतः सभी परीक्षार्थियों को परीक्षा के दिन सुबह 10:00 बजे तक परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना आवश्यक है।

इसके साथ यह भी ध्यान दें कि पूर्व निर्धारित तिथि– सारणी के अनुसार दिनाँक 25.02.2025 (विषय– सामाजिक विज्ञान, कक्षा–10) एवं दिनांक 27.02.2025 (विषय– रसायन विज्ञान, कक्षा–12) की परीक्षा देश के अन्य जनपदों के साथ प्रयागराज जनपद में भी आयोजित होगी। वहीं, दिनांक 26.02.2025 को महाशिवरात्रि मुख्य स्नान के कारण प्रयागराज और निकटवर्ती क्षेत्रों में भारी भीड़ होने की भी संभावना है।

अतः प्रयागराज जनपद से बोर्ड की मुख्य परीक्षा 2025 में सम्मिलित होने वाले सभी परीक्षार्थियों को यह सलाह दी जाती है कि वे उक्त आयोजन के कारण विभिन्न जगहों पर भीड़ और ट्रैफिक की स्थिति को ध्यान में रखते हुए परीक्षा केंद्र पहुंचने की योजना पहले से बना लें और निर्धारित समय से परीक्षा केन्द्र पर पहुँचना सुनिश्चित करें।

क्षेत्रीय अधिकारी
केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड क्षेत्रीय कार्यालय,
प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

CBC 21107/12/0014/2425

अवैध बस्ती का खुलासा महापौर ने लिया तुरंत एक्शन

कानपुर । वार्ड 74 श्याम नगर में महापौर प्रमिला पांडेय ने निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से बसाई गई बस्ती को संज्ञान में लिया जिस पर महापौर ने जोनल अधिकारी अनिरूद्ध सिंह को जांच करने व दो दिन में रिपोर्ट सौंपने का दिया निर्देश शनिवार को महापौर प्रमिला पांडेय ने दो वार्डों मे समाधान शिविर लगाया। पहला शिविर सुबह 11.30 बजे वार्ड 24 कृष्णा नगर दशहरा पार्क में लगा। यहां पर सीवर से संबंधित सबसे ज्यादा शिकायतें आईं जिस पर महापौर ने जलकल विभाग के जीएम आनंद त्रिपाठी को यहां का निरीक्षण करके जल्द से जल्द समस्या के समाधान का दिया निर्देश कुल 15 शिकयतें आईं जिसमें से 4 समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवा दिया गया। फिर महापौर ने वार्ड 74 एलआईसी पार्क श्याम नगर में बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों से की मुलाकात पार्क के पास ही बसाई गई अवैध बस्ती के बारे में जानकारी होने पर महापौर ने सभी अधिकारियों के साथ वहां का निरीक्षण किया यहां पर अवैध रूप से 100 से ज्यादा कच्चे घर बन चुके हैं जहां पर कटिया डालकर बिजली का खुलेआम उपयोग किया जा रहा है जिस पर महापौर ने जोनल अधिकारी से नाराजगी जताते हुए कहा कड़ी कार्यवाही करने का दिया आदेश इसके साथ ही यहां पर मार्ग प्रकाश विभाग में तैनात जेई श्रवण कुमार को लेकर बहुत ज्यादा शिकायतें आईं। जिसपर महापौर ने नगर आयुक्त से फोन पर बात करके श्रवण कुमार को मार्ग प्रकाश विभाग से हटाने का दिया आदेश वार्ड 74 में कुल 25 शिकयतें आईं जिसमें से 6 समस्याओं का मौके पर ही समाधान करवा दिया गया।महापौर प्रमिला पांडेय ने कहा कि वो अब प्रतिदिन दो वार्डों में ष्महापौर आपके वार्ड ष्कार्यक्रम के आयोजन में लेंगी हिस्सा।

घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

आजमगढ़। गंभीरपुर थाना क्षेत्र के लूहसा मुबारकपुर गांव निवासी अरुण बिन्द 26 वर्ष पुत्र दयानंद बिन्द की मंगलवार को दोपहर लगभग 11रू00 बजे इलाज के दौरान शहर के एक निजी अस्पताल में मौत हो गई सूचना पर पहुंची गंभीरपुर पुलिस ने शव का पंचनामा बनवाकर पीएम के लिए भेज दिया।बताते चलें की गंभीरपुर थाना क्षेत्र के लूहसा मुबारकपुर गांव निवासी अरुण बिन्द 26 वर्ष पुत्र दयानंद बिन्द 29 जनवरी को अपनी बाइक से थाना क्षेत्र के रीवा आवश्यक कार्य से गया था कार्य करके वह वापस आ रहा था उसी समय एक स्कूली मिनी वैन की चपेट में आ गया जिससे बाइक सवार अरुण बिन्द रोड पर बाइक लेकर गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया स्थानीय ग्रामीणों द्वारा आनन फानन में उसे इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में लेकर जहां पर हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया उसके बाद परिजन उसे शहर की एक निजी अस्पताल में लेकर गए जहां पर उसका इलाज चल रहा था मंगलवार की दोपहर लगभग 11रू00 बजे इलाज के दौरान अरुण बिन्द की मृत्यु हो गई।

अवकृष्ट भूमि सुधार विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन

प्रयागराज। सतत भूमि प्रबंधन एवं पर उत्कृष्टता केन्द्र, देहरादून के सहयोग से पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज एवं राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, भारत के संयुक्त तत्वाधान में कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा वित्त पोषित, ष्अवकृष्ट भूमि सुधारष विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित निदेशक, अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता एवं परिषद के उपमहानिदेशक, विनय कुमार, भा.व.से. द्वारा दीप प्रज्जवलन के साथ किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. विनय कुमार ने व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए कहा कि व्यावहारिक परियोजनाओं के माध्यम से देश की अवकृष्ट भूमि सुधार हेतु अग्रसर रहना चाहिए। स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने अवकृष्ट भूमि सुधार में केन्द्र की भूमिका से अवगत कराया। डॉ. संजीव कुमार, राष्ट्रीय परियोजना समन्वयक द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की रूप रेखा से अवगत कराया गया। डॉ. संतोष शुक्ला, कार्यकारी सचिव, राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी भारत द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सम्मानित अतिथियों को सम्बोधित किया गया। चिरनकोट जयदेव, कार्यकारी निदेशक पर्यावरण, कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा सम्मानित अतिथियों को सम्बोधित किया गया। पाठ्यक्रम समन्वयक एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। अन्त में आयोजन सचिव एवं वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा प्रशिक्षुओं को प्रयागराज के गंगा जलग्रहण क्षेत्र का भ्रमण कराया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर, डॉ. कुमुद दुबे, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. सत्येन्द्र देव शुक्ला, रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार रहे।

रास सांसद ने स्नान किया।

महाकुंभ नगर। महाकुंभ पर्व के पवित्र तिथि विजया एकादशी पर आज

राज्यसभा में विपक्ष के उपनेता सांसद प्रमोद तिवारी ने त्रिवेणी संगम में आस्था की पुण्य डुबकी लगाकर भारत देश की एकता व प्रगति के साथ लोक कल्याण की कामना की। तिवारी ने कहा कि तीर्थराज प्रयाग संगम हमारे लिए आस्था का पवित्र स्थान है यहां पर इसे राजनीति का केंद्र बिन्दु नहीं बनाना चाहिए

पहली पाली की बोर्ड परीक्षा शांतिपूर्वक संपन्न

प्रयागराज। यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षाएं सोमवार को शुरू हो गई। प्रदेशभर में 8140 केंद्रों पर 54,37,233 छात्र–छात्राएं परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हैं। महाकुम्भ में स्नान के लिए उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण प्रयागराज जिले में पहले दिन परीक्षा नहीं हुई। यह परीक्षा नौ मार्च को पूर्व निर्धारित समय के अनुसार होगी। शेष 74 जिलों में पूर्व निर्धारित समय और केंद्रों पर परीक्षा कराई जा रही है। पहली पाली में सुबह आठ से 11रू15 बजे तक हाईस्कूल हिन्दी और प्रारंभिक हिन्दी जबकि इंटर सैन्य विज्ञान की परीक्षा कराई गई। दूसरी पाली में दोपहर दो से 5रू15 बजे तक इंटर हिन्दी और सामान्य हिन्दी जबकि हाईस्कूल हेल्थकेयर विषय की परीक्षा होगी। बोर्ड सचिव भगवती सिंह सुबह छह बजे से ही मुख्यालय में डटे हुए हैं। कंट्रोल रूम से परीक्ष केंद्रों के स्ट्रांग रूम की निगरानी की जा रही है।

सक्षम हर जिले में स्थापित करेगा दिव्यांग सेवा केंद्र

महाकुम्भ नगर। नेत्र कुम्भ में सामाजिक संस्था सक्षम की ओर से आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यकारिणी का रविवार को समापन हुआ। इस मौके अध्यक्षता कर रहे लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत विवि में संस्कृत विभाग के प्रोध दयाल सिंह पंवार ने कहा कि देश के हर जिले में दिव्यांग सेवा केंद्र स्थापित किया जाएगा। तहसील स्तर पर संयोजक नियुक्त किए जाएंगे। राष्ट्रीय संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि यह निर्णय दिव्यांगों के लिए समावेशी विकास और बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने में सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि संघ का शताब्दी वर्ष विजयादशमी से शुरू होगा। सक्षम के पूर्व अध्यक्ष गोबिंद राज, उपाध्यक्ष कमलाकांत पांडेय मौजूद रहे। मप्र के बागेश्वर धाम में कैंसर इंस्टीट्यूट एंड रिसर्च सेंटर की आधारशिला रखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गयी नेत्र कुम्भ की सराहना से टीम ने प्रसन्नता व्यक्त की। सक्षम के राष्ट्रीय संगठन मंत्री चंद्रशेखर ने कहा कि डॉक्टरों व सभी सेवकों के लिए सुखद क्षण है।

सुबह 10 बजे ही 55 लाख ने कर लिया स्नान

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में श्रद्धालुओं का आगमन लगातार जारी है। सोमवार को महाशिवरात्रि से दो दिन पहले सुबह 10 बजे तक 54.99 लाख श्रद्धालुओं ने पुण्य की डुबकी लगा ली थी। अभी सभी दिशा से श्रद्धालुओं का आगमन जारी है। अफसरों का कहना है कि यह क्रम अभी महाशिवरात्रि तक जारी रहेगा। महाशिवरात्रि के अवसर पर दो करोड़ श्रद्धालुओं के स्नान का अनुमान है।

उत्तर मध्य रेलवे

पत्रांकः एस/सेल/611/5270/ई-नीलामी/24-25

दिनांक : 24.02.2025

ई-नीलामी सूचना संख्या-12 में

प्रथम संशोधन पत्र

सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदनोपरान्त मार्च-2025 में उ.म.रा.प्र./झांसी द्वारा आयोजित होने वाली ई-नीलामी कार्यक्रम में एक अतिरिक्त तिथि 25.03.2025 बढ़ाई जाती है। ई-नीलामी कार्यक्रम की अन्य तिथियाँ, नियम व शर्तें यथावत् रहेंगी। 316/25 (AS)

किसान सम्मान निधि से कृषक समृद्ध हुए

कौशांबी। किसान सम्मान समारोह का सजीव प्रसारण कृषि विज्ञान केंद्र कौशांबी के परिसर में उद्घाटन निर्वतमान सांसद विनोद सोनकर ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ आशीष श्रीवास्तव ने किया उन्होंने बताया कि किसान सम्मान समारोह भागलपुर बिहार की धरती पर आयोजित की जा रही है। इस भागलपुर धरती से ही किसान सम्मन निधि की 19वीं किस्त 9.8 करोड़ किसानों के खाते में 22000 करोड रुपए डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की गई। किसान सम्मन निधि के माध्यम से किसानों को घ्2000 के खाते में हस्तांतरित की गई। इसी कड़ी में प्रतिभाग कर रहे कृषक बंधुओं द्वारा पूर्व सांसद का स्वागत एवं अभिनंदन पुष्प गुच्छ देकर किया गया। निर्वतमान सांसद विनोद सोनकर ने अपने उद्बोधान में कहा कि यह कल्याणकारी योजना किसानों के लिए बहुत लाभकारी होगी किसान भाई–बहन इस प्राप्त राशि से बीज, उर्वरक एवं कीटनाशक खरीद सकते हैं जिससे उनकी लागत कम होगी उन्होंने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में 2047 में भारत देश निश्चित ही विकसित भारत में तब्दील होगा। उन्होंने केवीके में आए सभी अन्नदाताओं का अभिनंदन किया और उनके मेहनत और कृषि में आत्मनिर्भर बनने की सराहना की।साथ ही साथ परिसर में एससी–एसपी योजना अंतर्गत अनुसूचित वर्ग के किसानों महिलाओं व युवाओं के लिए एवं जीविका सुधार एवं जीवोपार्जन आधारित किसान मेलाधकिसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के दो ब्लॉक जो एससी–एसपी योजना से जुड़कर काम कर रहे हैं वहां के किसानों ने सहभागिता की चायल व बारा कौशांबी से आए 364 से अधिक कृषकों व महिलाओं ने अपने विचारों के माध्यम से औरों को प्रेरित कर योजना की जनपद के लिए बहुत अधिक लाभदायक बताया। कार्यक्रम में कृषि योजना, पशुपालन, उद्यान व अन्य घटकों पर चर्चा की गई और अंत में सांसद व कृषि विभाग के अधिकारी द्वारा किसानों (चायल से सुरेंद्र कुमार, दयाराम, नरेंद्र कुमार एवं बारा कौशांबी से राजाराम, शिवकुमार और अनुज कुमार) को कृषि पशुपालन एवं उद्यान से जुड़े घटकों पर एसी एसपी योजना अंतर्गत पुरस्कृत कर सम्मान किया गया। पीएम किसान की 19वीं किस्त की बधाईरू आज कृषि विज्ञान केंद्र कौशाम्बी पर पीएम किसान की 19वी किस्त और एस सी एस पी योजना अंतर्गत मेला व किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे कार्यक्रम के अतिथि निर्वतमान सांसद विनोद कुमार सोनकर रहे। एस डी ओ अभय राज गुप्ता , डी स टी ओ, मनोज मिश्रा, पशुधन प्रसार अधिकारी ज्योति तिवारी, कृषि विभाग से राधे श्याम , नीरज और कृषि विज्ञान केंद्र के समस्त वैज्ञानिक एवं स्टाफ ने प्रतिभाग किया।

बार्क और इसरो की मदद से स्वच्छ हो रहा गंगा नदी की सफाई

प्रयागराज। महाकुंभ में आए श्रद्धालुओं की सुविधा का पूरा खयाल रखा जा रहा है । वहीं, इतने भव्य आयोजन को श्स्वच्छ कुंभश बनाने के लिए महाकुम्भ मेला क्षेत्र में 1.5 लाख से अधिक टॉयलेट और यूरिनल स्थापित किए गए और 1600 करोड़ रुपए खर्च कर फीकल स्लज के प्रबंधन और ट्रीटमेंट का इंतजाम किया गया है । इसके साथ ही पहली बार संगम क्षेत्र में निकलने वाले ग्रे वॉटर को भी 75 कृत्रिम तालाब बनाकर बायो रेमेडिएशन तकनीक से ट्रीट किया जा रहा है । खास बात यह है कि इसके लिए बार्क (भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर) और इसरो (भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन) की मदद ली गई है। प्रदेश सरकार की ओर से पूरे महाकुंभ के आयोजन पर 7 हजार करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं । इसमें से 16 सौ करोड़ रुपए सिर्फ पानी और वेस्ट मैनेजमेंट पर लगाए गए हैं । इसमें से भी 316 करोड़ रुपए मेला क्षेत्र को खुले में शौच मुक्त (व्क्थ्) बनाने पर खर्च किए गए हैं, जिसमें टॉयलेट और यूरिनल की स्थापना और उनकी निगरानी शामिल हैं । मेला क्षेत्र में 1.45 लाख शौचालय बनाए गए हैं । इनके अस्थायी सेप्टिक टैंकों में इकट्ठा होने वाले कचरे और स्लज के ट्रीटमेंट के लिए फेकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट (थ्ैज्च्) स्थापित किए गए हैं । कचरे के ट्रीटमेंट में हाइब्रिड ग्रेन्युलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर (ीहैठत्) जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है । यह तकनीक बार्क और इसरो के साथ पार्टनरशिप में विकसित की गई है। जल निगम नगरीय के सहायक अभियंता प्रफुल्ल कुमार सिंह ने बताया कि महाकुम्भ मेला क्षेत्र के सेक्टर 10,15,16 में 4.76 करोड़ की लागत से .5 उसक के तीन अस्थायी एसटीपी स्थापित किए गए हैं । नैनी, झूसी और सलोरी में स्थापित प्री–फैब्रिकेटेड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (थ्ैज्च) और ठ।त्ब्(भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर) के सहयोग से महाकुम्भ मेला क्षेत्र में बनाए गए भ्हैठत् (हाइब्रिड ग्रैनुलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर) तकनीकी पर आधारितैज्च (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) के माध्यम से निकलने वाले कचरे और मल का शोधन किया जा रहा है । टॉयलेट से निकलने वाला मल लगभग 250 सेस पूल वीकल के माध्यम से रोजाना मेला प्राधिकरण द्वारा थ्ैज्च प्री–फैब्रिकेटेड सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट तक लाया जाता है। यहाँ ट्रीटमेंट कर इसे झूंसी स्थित मनसैता नाला में छोड़ दिया जाता है । यह नाला टैप कर के सीवर लाइन के थ्रू एसपीएस में भेजा गया है, वहां से इस नाले का पानी एसटीपी भेजा जाता है, जहाँ इसे ट्रीट करने के बाद पानी गंगा जी में छोड़ा जाता है । भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर (बार्क) के डिपार्टमेंट ऑफ एटॉमिक एनर्जी के प्रतिनिधि अरुण कुमार ने बताया कि, फीकल स्लज का ट्रीटमेंट काफी कॉम्प्लिकेटेड है, अब तक कहीं भी फीकल स्लज को डायरेक्ट ट्रीट नहीं किया गया है । फीकल स्लज को एसटीपी में डायरेक्ट मिला दिया जाता है, ताकि वह डायल्यूट हो जाए, लेकिन इस बार हमने ऐसा नहीं किया । हमने प्रयागराज जल निगम नगरीय को इसके ट्रीटमेंट के लिए बार्क की टेक्नोलॉजी का प्रपोजल दिया, जो स्वीकार कर लिया गया । सबसे पहले हमने भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर के कलपक्कम केंद्र में बैक्टीरिया डिवेलप किया, जिसमें अलग–अलग तरह के कई गुण हैं । इस बैक्टीरिया में एक ही रिएक्टर में हम एरोबिक और अनएरोबिक दोनों ट्रीटमेंट कर सकते हैं । इसके बाद हमने महाकुम्भ मेला क्षेत्र के तीन अलग–अलग सेक्टरों में एसटीपी (सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट) स्थापित किए । इन एसटीपी में बैक्टीरिया वन टाइम फीड है, मतलब बार–बार बैक्टीरिया डालने की जरूरत नहीं है ।ीहैठत् तकनीकी के अलावा इन तीनों प्लांट में भाभा एटॉमिक रिसर्च सेंटर, परमाणु ऊर्जा विभाग , भारत सरकार द्वारा विकसित एक अन्य तकनीक, वाटर पॉलिशिंग का भी प्रयोग किया गया है, जिसमें एटॉमिक ओजोन को माइक्रो बब्बलिङ्ग के द्वारा ीहैठत् के रिएक्टर में ट्रीट किए गए पानी में एक अन्य रिएक्टर में जमा करके उसमें मिलाया जाता है, इस प्रकार जल की अन्य अशुद्धियाँ जैसे रंग, गंध, बैक्टीरिया इत्यादि को पूरी तरह से समाप्त किया जाता है, बैक्टीरिया और एटॉमिक ओजोन के अलावा पानी को साफ करने के लिए प्लांट में किसी भी तरह के केमिकल का इस्तेमाल नहीं किया जा रहा है, क्योंकि ब्लीच या क्लोरीन का इस्तेमाल करने पर उसके कुछ अंश पानी में रह ही जाते हैं । बैक्टीरिया के अलावा हमने एटॉमिक ओजोन का इस्तेमाल फीकल स्लज के ट्रीटमेंट के लिए किया है, जिसमें 2 टेक्नोलॉजी इस्तेमाल की गई है, इसमें ऑक्सीजन की टेक्नोलॉजी इसरो की है और वाटर पॉलिसिंग की टेक्नोलॉजी बार्क की है । इस तरह से पूरे ट्रीटमेंट में बार्क की 2 और इसरो की 1 टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा रहा है । सबसे खास बात इस प्लांट में ट्रीट किया हुआ पानी प्रदूषण कंट्रोल बोर्ड के मानकों के अनुरूप है । एसटीपी की बात करें, तो इस प्लांट को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि यह मेले के बाद भी कहीं भी स्थापित किया जा सकता है, फिर से इसे इसी रूप में बैक्टीरिया के साथ चालू किया जा सकता है ।

अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरा का आयोजन।

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के हीरक जयंती समारोह के अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरा का आयोजन सोमवार को हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष डॉ सुशील कुमार सिन्हा, महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने अतिथियों और कवि सम्मेलन में आए कवियों एवं शायरों का पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। अखिल भारतीय कवि सम्मेलन और मुशायरे की संयोजक प्रो सरोज सिंह से आए हुए अतिथियों का वाचिक स्वागत किया। इस अवसर पर कायस्थ पाठशाला के उपाध्यक्ष योगेंद्र पूरे मुशायरे में उपस्थित रहकर सबका उत्साहवर्धन किया। कवि सम्मेलन और मुशायरे में प्रो राजेंद्र त्रिपाठी रसराज, फारूख आदिल, मुंतजिर, श्लेष गौतम, वंदना शुक्ला, असलम इलाहाबादी, अख्तर अजीज, शैलेन्द्र मधुर, विवेक सत्यांशु, जफर उल्ला जफर , लक्ष्मण गुप्ता आदि ने अपनी कविताओं का पाठ किया और शायरी प्रस्तुत की। वंदना शुक्ला ने कैसे लगेगी संगम में डुबकी चहुंओर जाम है, प्यार वाले लफड़े के अब अंत हो रहे है , रील देख देख के सब धीरेन्द्र शास्त्री की लड़के हमारे अब सब संत हो रहे हैं जैसे पंक्तियों से दर्शकों ने जोरदार तालियां बजाकर कवियों का खूब उत्साहवर्धन किया। श्लेष गौतम की कोई कैसे ये समझेगा कि भोला कौन भाला है जैसी पंक्तियों ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया। असलम इलाहाबादी के हास्य भरी कविताओं ने दर्शकों को गुदगुदाए रखा इन कविताओं में देशभक्ति, सामाजिक समरसता जैसी बातें खूब थी। फारूक आदिल ने अपने समय समाज से जुड़े तथा आप रहने दीजिए जैसे शेरों शायरी की गुनगुनाहट से खूब वाहवाही बटोरी। कार्यक्रम का संचालन डॉ जी गणेशन ने किया और धन्यवाद ज्ञापन प्रोफेसर आभा त्रिपाठी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय की उप प्राचार्य प्रो नीता सिन्हा, प्रो अर्चना खरे, प्रो आभा सिंह, प्रो रजत श्रीवास्तव, प्रो दीनानाथ, प्रो एस पी सिंह, प्रो सत्यंवदा, डॉ रंजीत , डॉ पूजा, डॉ रुचिका वर्मा, डॉ प्रिया सोनी, डॉ अंजनी, डॉ भारती, डॉ रमाशंकर सिंह, डॉ राजेन्द्र यादव,अनिल शुक्ला तथा भारी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद थे।

अरैल में स्नान करने वालों के लिए गंगा बनीं वरदान

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ के समापन से पहले अरैल में स्नान करने वालों

को गंगा ने बड़ी राहत दी है। अरैल के किसी भी घाट पर डुबकी लगाने के लिए श्रद्धालुओं को पर्याप्त जल मिल रहा है। महाकुम्भ के दौरान गंगा के प्रवाह में निरंतर परिवर्तन से अरैल के घाटों पर राहत तो दशाश्वमेध घाट पर डुबकी लगाने वालों के लिए मुश्किल खड़ी हो गई है। गंगा का प्रवाह बदलने से दशाश्वमेध घाट से लेकर संगम नोज तक जल कम होने लगा था। संगम नोज पर बालू निकालकर गहराई बढ़ाई गई। इससे संगम नोज पर श्रद्धालुओं को स्नान के लिए जल मिलने लगा। संगम नोज की तरह दशाश्वमेध घाट पर भी बालू अधिक हो गई है। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने भी शुक्रवार को घाट से बालू हटाने का निर्देश दिया था। महाकुम्भ के अंतिम स्नान पर्व महाशिवरात्रि से पहले दशाश्वमेध घाट से भी संगम नोज की तरह बालू हटाई जाएगी। इससे घाट पर गहराई बढ़गी तो श्रद्धालुओं को स्नान करने के लिए पर्याप्त जल मिलेगा। सिंचाई विभाग (बाढ़ प्रखंड) के अधिशासी अभियंता डीएन शुक्ला ने बताया कि अंतिम स्नान पर्व के दिन दशाश्वमेधा घाट पर भी श्रद्धालुओं को पर्याप्त जल मिलेगा।

जागरों शैली से पद्मश्री बसंती बिष्ट ने बांधा समां

महाकुम्भ नगर। संस्कृति विभाग की ओर से मेला क्षेत्र के सेक्टर 24 स्थित यमुना पंडाल में उत्तराखंड की प्रख्यात गायिका व पद्मश्री से सम्मानित बसंती बिष्ट व साथियों ने रविवार की रात उत्तराखंड की शैली जागरों में अपनी प्रस्तुति की। गायिका ने अपने दल के साथ जागरों शैली के जरिए मंगलगीत, शक्ति से सृष्टि रचना, तीर्थराज प्रयाग व हिमालय के प्रसंगों से संबंधित भजनों की प्रस्तुति से समां बांधा। बसंती ने कहा कि संगम में पुण्य स्नान कर अपनी प्रस्तुति देने का जो सौभाग्य मिला है, वह मां गंगा के आशीर्वाद से ही संभव हो पाया है।

पिता की आखिरी इच्छा पूरी करने के लिए संगम में फोटो लेकर लगाई डुबकी

प्रयागराज। अलोपीबाग निवासी पंकज रिजवानी ने अपने दिवंगत पिता सेवक राम की अधूरी इच्छा को पूरा करने के लिए पिता की फोटो लेकर संगम में डुबकी लगाई। 2021 में पिता के निधन के बाद पंकज अपने परिवार के साथ लखनऊ में बस गए थे, लेकिन उनके पिता की आखिरी इच्छा थी कि वह महाकुम्भ 2025 में स्नान करें। पिता की यह इच्छा अधूरी न रह जाए, इसलिए पंकज ने उनकी तस्वीर के साथ संगम में आस्था की डुबकी लगाई। पंकज ने बताया कि यह पल उनके लिए बेहद भावुक था। उन्होंने कहा कि 2019 कुम्भ में मैंने पिताजी के साथ कुम्भ में स्नान किया था, लेकिन उनके जाने के बाद इस बार का स्नान उनकी आत्मा की शांति के लिए था। संगम तट पर यह दृश्य लोगों की आंखें नम कर गया। पंकज की आस्था और पिता के प्रति समर्पण ने दिखा दिया कि प्यार और श्रद्धा की डोर कभी नहीं टूटती। महाकुम्भ के पावन अवसर पर पंकज की यह श्रद्धांजलि, हजारों श्रद्धालुओं के बीच प्रेरणा का स्रोत बन गई।

पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं ने लगाए जय श्री राम के नारे

महाकुम्भ नगर। महाकुम्भ में पश्चिम बंगाल के श्रद्धालुओं के जय श्री राम के उदघोष से पूरा महाकुम्भ नगर गूंज उठा। श्रद्धालु हर हर गंगे, बम बम भोले का जयकारा लगाते रहे। रविवार को पश्चिम बंगाल के आसनसोल से 2000 श्रद्धालुओं का यह विशाल दल 40 बसों में सवार होकर संगम की पावन रेत पर एकत्र हुआ। इसी के साथ यहां श्रद्धालुओं ने प्रमुख संतों के साथ संगम में स्नान भी किया। इसके बाद संतों और श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से राम नाम का जप किया। अयोध्या के संत और रघुवंश संकल्प सेवा के अध्यक्ष स्वामी दिलीप दास त्यागी ने बताया कि मंत्रोच्चार के बीच मां गंगा, यमुना।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062